शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 128 | गुवाहाटी | शनिवार, 7 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दिल्ली कूच कर रहे सैकड़ों किसान परी चौक से गिरफ्तार पेज 2
भारतीय किसान संघ की दो दिवसीय कार्यकारिणी की बैठक, पूर्वोत्तर... पेज 3
बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं करने को... पेज 5
पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया की सधी शुरुआत, 1 विकेट पर 86 रन बनाए पेज 7

बीजीबी का भारतीय सीमा में घुसपैठ मंदिर के निर्माण को रोकने की कोशिश

बीएसएफ के हस्तक्षेप के बाद फिर से शुरू हुआ काम

श्रीभूमी। असम के श्रीभूमि में कुशियारा नदी के पास मनसा मंदिर का पुनर्निर्माण 6 दिसंबर को फिर से शुरू हुआ, जब बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) ने इस पर आपत्ति जताई थी और काम रोक दिया था। बीजीबी टीम के आने और उनकी आपत्तियों को कैमरे में कैद किया गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बांग्लादेश के सीमा रक्षकों के बीच बैठक के बाद मंदिर के पुनर्निर्माण की अनुमति देने का निर्णय लिया गया। मंदिर स्थल, जहां पहले देवी मनसा का मंदिर था, पिछले कुछ वर्षों में जीर्ण-शीर्ण हो गया था। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए सांसद मद से 3 लाख रुपए की धनराशि इसके पुनर्निर्माण के लिए स्वीकृत की गई, जिसका कार्य कुछ दिन पहले ही शुरू हुआ है। बीएसएफ ने बैठक की व्यवस्था करने की पहल की और सुनिश्चित किया कि दोनों पक्ष आम सहमति पर पहुंचें। मंदिर समिति ने बीएसएफ अधिकारियों के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। अब हरी झंडी मिलने के साथ ही मंदिर निर्माण आधिकारिक तौर पर पुनः शुरू हो गया है। बता दें कि बांग्लादेश की सीमा सुरक्षा से जुड़े बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने बेहद उकसावे भरी कार्रवाई करते हुए भारतीय सीमा के अंदर प्रवेश किया है। बीजीबी ने गुरुवार 5 दिसंबर को असम के श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कुशियारा नदी के पास चल रहे एक मंदिर के जीर्णोद्धार के काम को रोकने की कोशिश की थी। बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड ने यह हिमाकत ऐसे समय में की है, जब दोनों पड़ोसियों के बीच पहले से ही तनाव बढ़ा हुआ है। श्रीभूमि में कुशियारा विसर्जन घाट के पास मनसा देवी का मंदिर है, जो कमजोर हालत में होकर गिर गया था। हाल ही में असम सरकार ने इसके जीर्णोद्धार के लिए 3 लाख रुपए आवंटित किए थे। गुरुवार को ही इस मंदिर के जीर्णोद्धार का काम शुरू हुआ था, जिसके बाद बांग्लादेश के सिलहट डिवीजन से बीजीबी के जवानों की एक टीम ने इस प्रक्रिया के दौरान हस्तक्षेप किया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बांग्लादेश के सिलहट डिवीजन के जाकीगंज पॉइंट से बीजीबी के -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने सोनोवाल और सीतारमण को एडवांटेज असम में किया आमंत्रित

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अगले साल फरवरी में गुवाहाटी में होने वाले एडवांटेज असम समिट 2.0 में शामिल होने का निमंत्रण दिया। डॉ. शर्मा ने असम से जुड़े चल रहे प्रयासों के बारे में भी सोनोवाल से चर्चा की। बाद में एक्स पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि मैंने अपने दिल्ली दौरे के अंतिम दिन की शुरुआत केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल से मुलाकात करके की। मुझे उन्हें एडवांटेज असम समिट 2025 में आमंत्रित करने का सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर असम से जुड़े चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के दौरे के बाद केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने भी एक्स पर लिखा कि नई दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास पर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के साथ सुखद सुबह की बातचीत हुई। हमने अगले साल -शेष पृष्ठ दो पर

शांति के लिए राज्य का दौरा करें पीएम : इंडिया गठबंधन

इंफाल। मणिपुर को हिंसा की आग में झुलसे एक साल से ज्यादा का वक्त हो गया है, लेकिन वहां पर अभी भी शांति बहाल नहीं हो सकी है। विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लगातार यह मांग की जाती रही है कि उन्हें इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा जल्द से जल्द करना चाहिए। अब मणिपुर में इंडिया गठबंधन के दलों ने आज शुक्रवार को पीएम मोदी से हिंसा प्रभावित राज्य का जल्द से जल्द दौरा करने का अनुरोध किया, साथ ही कहा कि यहां के लोगों के साथ उनकी सीधी भागीदारी और सक्रिय जुड़ाव ही शांति बहाल कर सकता है। इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले 10 राजनीतिक दलों के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में प्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

जनवरी में गुणोत्सव 2025 शुरू करेगी राज्य सरकार, 44,000 स्कूल होंगे शामिल

गुवाहाटी। असम सरकार अगले साल जनवरी में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए वार्षिक राज्यव्यापी अभ्यास गुणोत्सव 2025 शुरू करने जा रही है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्यक्रम सभी 35 जिलों के 44,000 से अधिक स्कूलों को कवर करेगा। अधिसूचना में कहा गया है कि आगामी मूल्यांकन के लिए नई सुविधाएं भी शुरू की गई हैं, जिनमें रिपोर्ट प्रस्तुत करने और वर्दी के मूल्यांकन के लिए मोबाइल फोन ऐप भी शामिल है। विशेष रूप से, यह अभ्यास तीन -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मंत्रणा रूप आंखों से शत्रु के छिद्रों अर्थात उसकी कमजोरियों को देखा-परखा जाता है।

- आचार्य चाणक्य

राज्यपाल नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक दिवस समारोह में हुए शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य शुक्रवार को गुवाहाटी के पानीखाइटी स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक) में अखिल भारतीय नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षकों के वार्षिक स्थापना दिवस के समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल आचार्य ने चुनौतीपूर्ण समय में समाज की रक्षा करने में नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। नागरिक सुरक्षा एवं -शेष पृष्ठ दो पर

अष्टलक्ष्मी महोत्सव में देश और दुनिया देखेगी पूर्वोत्तर का सामर्थ्य : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत मंडपम में अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज दिल्ली पूर्वोत्तरमय हो गई है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय महोत्सव में देश और दुनिया को पूर्वोत्तर का सामर्थ्य देखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महोत्सव को समर्पित एक डाक टिकट का भी विमोचन किया। पहली बार मनाया जा रहा तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 8 दिसंबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में निवेश के लिए उत्साह है। बीते एक दशक में हमने पूर्वोत्तर रीजन के विकास में अद्भुत यात्रा देखी है लेकिन यहां तक पहुंचना सरल नहीं था। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर को भारत की विकास यात्रा से जोड़ने के लिए हमने हर संभव कदम उठाए। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान पूर्वोत्तर के विकास के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया। बीते दशक के दौरान हमने पूर्वोत्तर के साथ दिल्ली और दिल के अंतर को कम करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों ने पिछले दशक में 700 से -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परिवर्तनकारी दशक ने पूर्वोत्तर में नई ऊर्जा का संचार किया : सोनोवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को पूर्वोत्तर के विकास के लिए किए जा रहे केंद्र सरकार के प्रयासों और उपलब्धियों को गिनते हुए कहा कि एनडीए के सत्ता में आने से पूर्व तत्कालीन सरकारों ने लंबे समय तक इस क्षेत्र की अनदेखी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में इस क्षेत्र में पिछले एक दशक में बड़ा परिवर्तन आया है। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कन्नौज में सड़क हादसा, आठ की मौत

कन्नौज (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को डबल डेकर बस के खड़े वाटर टैंकर से टकरा जाने से आठ यात्रियों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे पर दुख प्रकट करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। -शेष पृष्ठ दो पर

नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या मामले के दोषी को फांसी की सजा

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में एक नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या मामले में दोषी करार दिए गए मुस्ताकिन सरदार को बारूईपुर अदालत ने फांसी की सजा सुनाई। अदालत ने 63 दिनों के भीतर इस मामले की सुनवाई पूरी कर शुक्रवार को यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। गुरुवार को बारूईपुर फास्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज कोर्ट के जज सुब्रत चट्टोपाध्याय ने मुस्ताकिन -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकियों के इकोसिस्टम का होगा खात्मा, अमित शाह ने बनाया प्लान

नई दिल्ली। नई आतंकवाद रोधी नीति के तहत सभी राज्यों में विशेष प्रशिक्षित आतंकवाद रोधी दस्ता तैनात किया जाएगा। इसके अलावा सभी राज्यों में युवाओं को कट्टरपंथी बनने से रोकने के लिए विशेष यूनिट भी बनाई जाएगी। गृह मंत्रालय नई आतंकवाद रोधी नीति को अंतिम रूप में देने में जुटा है। पिछले महीने आतंकवाद रोधी सम्मेलन को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने जल्द ही नई आतंकवाद रोधी नीति लाने का एलान किया था। एनआइए द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों समेत आतंकवाद रोधी एजेंसियों के प्रमुख मौजूद थे। गृह मंत्रालय -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यसभा में नोटों की बरामदगी को लेकर हंगामा, कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में आज हंगामे के कारण गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों पर चर्चा नहीं हो सकी और सदन की कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। भाजपा सांसदों ने शुक्रवार को सदन में नोटों की बरामदगी को लेकर कांग्रेस से जवाब मांगते हुए नारे लगाए। उपसभापति हरिवंश ने सत्ता पक्ष के सदस्यों को शांत कराने का प्रयास किया। उन्होंने सदस्यों से कहा कि सदन की कार्यवाही चलने देना चाहिए। उन्होंने आईयूएमएल राज्य सदस्य अब्दुल वहाब से एजेंडे में उनके नाम के तहत सूचीबद्ध अपना प्रस्ताव पेश करने को कहा। -शेष पृष्ठ दो पर

विजय दिवस पर कोलकाता में नहीं आएंगे मुक्तियोद्धा

कोलकाता (हि.स.)। इस साल कोलकाता में भारतीय सेना द्वारा आयोजित विजय दिवस समारोह में बांग्लादेश के मुक्तियोद्धा और वहां के सैन्य अधिकारी शामिल नहीं होंगे। जबकि बांग्लादेश के मुक्तियोद्धा और वहां के सैन्य अधिकारी शामिल होने की परंपरा 1971 के भारत-पाक युद्ध में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही है। भारतीय सेना के पूर्वी कमान की ओर से हर साल विजय दिवस पर 3-4 दिन तक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसमें मुक्तियोद्धा, उनके परिवार, बांग्लादेशी सांसद और सैन्य अधिकारी भाग लेते थे। यह परंपरा बांग्लादेश की सत्ता में बांग्लादेश -शेष पृष्ठ दो पर

बंट गए किसान! एक पक्ष दिल्ली कूच पर अड़ा, भारतीय किसान यूनियन पीछे हटा

ग्रेटर नोएडा। 10 फीसदी भूखंड देने समेत मांगों को लेकर दस संगठनों के दिल्ली कूच के आंदोलन को लेकर किसानों में दो फाड हो गए है। भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने लाइव आकर सोशल मीडिया पर दिल्ली कूच न करने की बात कही है। वहीं नौ संगठन अभी भी दिल्ली कूच कर गिरफ्तारी देने में लगे है। शुक्रवार को भी परी चौक पर पचास से अधिक किसान और महिलाओं को दिल्ली कूच करने के प्रयास में पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा के आहवान पर 25 नवंबर को दस किसान संगठनों ने ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के दफ्तर पर धरना देने के बाद दो दिसंबर को दिल्ली कूच का एलान किया था। दो दिसंबर को दिल्ली कूच के चलते 123 किसानों को नोएडा से गिरफ्तार कर जेल भेजा था। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने तीन दिसंबर को यमुना के जीरो पाइंट पर पंचायत बुलाई। जिसमें शामिल होने के लिए आने के दौरान टप्पल में उनको रोककर -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुओं पर अत्याचार : 9 को बांग्लादेश जाएंगे विदेश सचिव

नई दिल्ली। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में काफी खटास आ चुकी है। पड़ोसी मुल्क में आए दिन हिंदू समुदाय के लोगों पर हमले हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर दुनिया के कई नेताओं ने इस बात पर चिंता जाहिर की है। इसी बीच बांग्लादेश और भारत के बीच निर्धारित विदेश सचिव स्तरीय वार्ता 9 या 10 दिसंबर को ढाका में आयोजित किया गया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी है कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री का 9 दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करने का कार्यक्रम है और वह अपने समकक्ष से मुलाकात करेंगे और यात्रा के दौरान कई अन्य बैठकें होंगी। विदेश -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दिल्ली कूच कर रहे सैकड़ों किसान परी चौक से गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (हि.स.)। अपनी मांगों को लेकर किसानों का आंदोलन शुक्रवार को भी जारी रहा। दिल्ली कूच करने के लिए आज बड़ी संख्या में महिलाएं व किसान परी चौक पर पहुंचे लेकिन वहां पर तैनात पुलिस बल ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस दौरान महिलाओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की भी हुई। किसानों ने पुलिस प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आज सुबह से ही संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सोशल मीडिया पर आंदोलन जारी रखने का आह्वान कर रहे हैं। वे लोग जीरो प्वाइंट पर पहुंचकर दिल्ली कूच करने का आह्वान कर रहे थे। इसके चलते यमुना एक्सप्रेस-वे के जीरो प्वाइंट पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। वहां पर किसी को जाने नहीं दिया गया। दोपहर को किसान नेता सुखबीर खलीफा के नेतृत्व में महिलाओं के साथ किसान नारेबाजी करते हुए परी चौक पर पहुंचे। एडीपीसी अशोक कुमार भारी पुलिस बल के साथ पहले से ही परी चौक पर तैनात थे। पुलिस, पीएसी और आरपीएफ के जवानों ने किसानों और महिलाओं को घेर लिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आंदोलनरत किसानों ने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर विचार करने के बजाए उनके आंदोलन को दबाने का काम कर रही है। किसान आंदोलन को कुचलने का काम किया जा रहा है। जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान पुलिस ने महिला सिपाहियों की मदद से महिला समेत 100 से अधिक किसानों को हिरासत में लेकर जेल पहुंचाया गया।

किसानों को राकने पर सरकार पर भड़के राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि किसानों दिल्ली आने से रोकने का प्रयास निंदनीय है तथा सरकार को उनकी मांगों को गंभीरता से सुनकर उस पर अमल करना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा सीमा के शंभू बॉर्डर से 101 किसानों के एक जत्थे ने शुक्रवार को दिल्ली के लिए पैदल मार्च शुरू किया, लेकिन उन्हें कुछ मीटर बाद ही बहुस्तरीय अवरोध लगाकर रोक दिया गया। जब कुछ किसान शंभू बॉर्डर पर हरियाणा की ओर लगाए गए अवरोधकों के पास पहुंच गए, तो सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया।

अभिनेता ने पास की एपीएससी परीक्षा

उदालगुड़ी (हिंस)। अभिनेता पार्थ प्रतिम शर्मा ने असम लोक सेवा आयोग की असम पुलिस सेवा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पार्थ शिक्षा के साथ-साथ अभिनय, संगीत से भी निकट से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अबतक आठ धारावाहिकों में अभिनय किया है। स्पंदन चैनल के सीरियल बिंदास कॉलोनी के जरिए पहली बार एक्टिंग में कदम रखने वाले पार्थ ने रंग, रंगीनी आदि कई सीरियलों में अभिनय किया है। जीवन में सफलता के इस क्षण में पार्थ ने कहा कि उनके जीवन के पहले धारावाहिक, बिंदास कॉलोनी का एक खास संवाद ने उनपर असर डाला। उनका कहना है कि जिंदगी की इस सफलता में पार्थ को एक्टिंग ने बहुत कुछ दिया है। इसके अलावा पार्थ प्रतिम शर्मा ने इस दौरान ट्यूशन भी पढ़ाया। पार्थ की मां अपने बेटे की इस सफलता के क्षण में भावुक हो गईं।

बांग्लादेश के सुनामगंज में हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर हमला

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्ण कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। दुनियाभर में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जुल्म-ओ-सितम की तीखी आलोचना हो रही है। इस सबके बीच सुनामगंज में चिंताजनक घटना सामने आई है। यहां फेसबुक पोस्ट के बाद हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमले के बाद तनाव बढ़ गया है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, 21 वर्षीय हिंदू युवक आकाश दास की फेसबुक पोस्ट पर जारी एक तस्वीर से दूसरे समुदाय के लोग भड़क गए। नफरत की आंधी ने मंगलवार रात सुनामगंज के दोवाराबाजार उपजिला के सुदूरवर्ती गांव मंगलारगांव में कोहराम मचाया। हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर जमकर तोड़फोड़ की गई। दोवाराबाजार पुलिस स्टेशन के प्रभारी जाहिदुल हक ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि भीड़ के गुस्से को देखते हुए आकाश को हिरासत में ले लिया गया। स्थानीय नेताओं और धार्मिक प्रतिनिधियों के समर्थन से सेना के जवानों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाया गया।उपद्रवियों ने मंगलारगांव के लोकनाथ मंदिर को भी नहीं छोड़ा। मंगलारगांव से सुनामगंज पहुंचे लोकनाथ मंदिर प्रबंध कमेटी के महासचिव खोकन रॉय के अनुसार, भीड़ ने लोकनाथ मंदिर पर भी हमला किया। इस दौरान 15 लाख रुपए से अधिक का कीमती सामान चोरी हो गया। उन्होंने दावा किया कि लगभग 100 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सोने के आभूषणों की दुकानों और हिंदू स्वामित्व वाली दुकानों में लूटपाट की गई। हालांकि पुलिस ने लूटपाट की घटनाओं से इनकार किया है।

असम नेपाली साहित्य सभा का 16वां त्रैवार्षिक अधिवेशन शुरू

गोलाघाट (हिंस)। असम नेपाली साहित्य सभा का 16वां त्रैवार्षिक अधिवेशन आज से शुरू हो गया है। सिफारी क्षेत्र के शिवाजी राय समन्वय स्थल में आयोजित इस भव्य आयोजन में असम के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ नेपाल, भोपाल और अन्य स्थानों के साहित्यकार शामिल हो रहे हैं। इस साहित्यिक आयोजन के साथ ही व्यापार मेले, प्रदर्शनी और पुस्तक मेले का भी आयोजन किया गया है, जिसने स्थानीय जनता का ध्यान आकर्षित किया है। अधिवेशन के पहले दिन कार्यक्रमों की शुरुआत कार्यालय उद्घाटन से हुई। आज सभा की अंतिम कार्यकारी बैठक भी आयोजित की गई। अधिवेशन के समापन दिवस पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और सिक्किम के मुख्यमंत्री सहित कई कैबिनेट मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। एक विशेष प्रदर्शनी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण बनी हुई है।

मंदिर का मोटर चोरी मामले में एक गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के गोरमारी विद्यानगर इलाके में स्थित एक मंदिर में पानी का मोटर चोरी करने पहुंचे एक चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़ कर बुरी तरह पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मंगलदै के निकट गोरमारी विद्यानगर इलाके में स्थित शिव मंदिर में पानी का मोटर चोरी करने के लिए तीन चोर घुसे थे। स्थानीय लोगों ने तीनों चोरों को पकड़ने की कोशिश की। दो चोर मौके से फरार होने में सफल रहा।

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले की तेजपुर पुलिस ने भारी मात्रा में अरुणाचल प्रदेश में निर्मित और वहीं के लिए जारी अंग्रेजी शराब जब्त किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान कार्बी आंगलोंग की ओर जा रहे ट्रक (एनएल-01एफ-6996) से 700 कार्टून अंग्रेजी शराब जब्त किया गया है। जब्त किए गए अंग्रेजी शराब को अरुणाचल प्रदेश में बिक्री के लिए निर्मित किया गया था। अवैध तरीके से अंग्रेजी शराब की तस्करी की जानकारी मिलने के बाद तेजपुर पुलिस द्वारा कलियाभोमोरा सेतु के समीप अभियान चलाया गया। इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई अंग्रेजी शराब की कीमत लगभग 25 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने पकड़े गए ट्रक चालक और जब्त की गई अंग्रेजी शराब को आबकारी विभाग को सौंप दिया है। आबकारी विभाग इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

KMB-42/SOPD/2024-25/Pt.-VI/1908 *Date 04/12/2024*

NOTICE FOR TENDER

Sealed tender affixing court fee Rs. 8.25 (Rupees Eight and twenty five Paisa) only are invited from the up-to-date registered contractor of PWD (Roads) or firm or Registered Contractors under Kokrajhar Municipal Board up to 2:00 P.M on **20/12/2024 (Friday)** for the following work under the grand of SOPD 2024-25 with the completion of work as per estimate, and same will be opened by the undersigned on the same date and hours. The tender papers will be issued to the contractor or authorized agent up to 12:00 Noon on 20/1**2/2024 (Friday).** The details of NIT & Terms and Conditions may be seen in all working days in the office of the undersigned. The payment will be made if and when the fund is received from the concerned department.

Sl. No.	Name of work	Amount
1	Construction of main canal at Basic Training Centre, Kokrajhar	Rs. 11,00,000.00

Sd/- Chairperson,
Kokrajhar Municipal Board, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/1026

पृष्ठ एक का शेष

बीजीबी का भारतीय ...

जवान स्पीडबोट पर सवार होकर श्रीभूमि पहुंचे थे। भारतीय सीमा में पहुंचने पर उन्होंने मजदूरों को मरम्मत काम रोकने का निर्देश दिया था। इस दौरान सीमा पर तैनात भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बीजीबी के अधिकारियों का सामना हुआ। शाम को श्रीभूमि सीमा पर बीएसएफ और बीजीबी अधिकारियों के बीच कमांडेंट स्तर पर फ्लैग मीटिंग हुई। इस दौरान बीएसएफ अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जीर्णोद्धार का काम मौजूदा मंदिर से संबंधित था और इसका भारत-बांग्लादेश तनाव से कोई संबंध नहीं था। चर्चा के बाद मुद्दा सुलझा लिया गया और बीएसएफ ने मंदिर अधिकारियों को जीर्णोद्धार काम जारी रखने के लिए अधिकृत कर दिया। मालूम हो कि श्रीभूमि जिले में भारत बांग्लादेश के साथ 94 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जिसमें 43 किलोमीटर नदी से लगती है। इसके अलावा श्रीभूमि शहर में सीमा का 4 किलोमीटर हिस्सा बिना बाड़ के है। नवीनीकरण के काम को मंजूरी मिल गई है और आगे भी काम जारी रहने की उम्मीद जताई गई है। स्थानीय अधिकारियों ने इस मामले से दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों पर असर नहीं पड़ने की बात कही है।

मुख्यमंत्री ने सोनोवाल ...

की शुरुआत में गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एडवांटेज असम 2.0 और विभिन्न विकास पहलुओं पर अच्छी चर्चा की। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने संसद भवन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और एडवांटेज असम समिट 2.0 के लिए निमंत्रण दिया। केंद्रीय मंत्री ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर शामिल होने के लिए निमंत्रण स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि आज नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलने का सौभाग्य मिला। एडवांटेज असम समिट 2025 का हिस्सा बनने के लिए हमारे निमंत्रण को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करने के लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं। बाद में, मुख्यमंत्री ने यहां भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए गए अष्टलक्ष्मी महोत्सव में भाग लिया। मुख्यमंत्री का राष्ट्रीय राजधानी का छह दिवसीय दौरा, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के साथ कई बैठकें कीं, सकारात्मक नतीजों के साथ उत्पादक साबित हुईं। इसी बीच, मुख्यमंत्री मुंबई में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए।

शांति के लिए राज्य ...

कॉन्फ्रेंस करते हुए यह दावा किया कि उन्हें जंतर- मंतर पर धरना देने की अनुमति नहीं दी गई। मणिपुर कांग्रेस के प्रमुख मेघचंद्र ने कहा कि हमें जंतर-मंतर पर धरना देना था, लेकिन अधिकारियों ने हमारी अनुमति के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। हमारे पास करीब 10 राजनीतिक दल भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें विरोध करने के हमारे अधिकार से वंचित किया जा रहा है। हालांकि, यह झटका हमें रोक नहीं पाएगा। हमारा अलग-अलग रूपों में विरोध जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अपनी मांगों के साथ प्रधानमंत्री मोदी को एक ज्ञापन सौंपा है। केंद्र पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए मेघचंद्र ने कहा कि मणिपुर भी भारत का हिस्सा है, लेकिन पिछले 18 महीनों में केंद्र सरकार ने इतनी लापरवाही क्यों बरती है? 60 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविरों में हैं और अब तक सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। हमें अभी और कितना सहना पड़ेगा? मणिपुर विधानसभा में विधायक ने कहा कि मणिपुर के लोग पीएम मोदी से राज्य में शांति बहाल करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि मणिपुर राज्य सरकार सीधे केंद्र की ओर से नियंत्रित की जा रही है, मुख्यमंत्री महज कागजी शेर जैसे काम कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि यहां पर अघोषित राष्ट्रपति शासन है।

जनवरी में गुणोत्सव...

चरणों में आयोजित किया जाएगा, जहां पहले चरण में 11 जिले शामिल होंगे, जिसमें बरपेटा, बजाली, श्रीभूमी, कामरूप, कार्बी आंग्लांग, कोकराझार, लखीमपुर, नगांव, शिवसागर, दक्षिण सलमारा मानकाचर और उदालगुड़ी शामिल हैं। दूसरे चरण में बाक्सा, चिरांग, चराइदेउ, धेमाजी, धुबड़ी, गोलाघाट, हैलाकांदी, होजाई, जोरहाट, कामरूप (मेट्रो), शोणितपुर, तामुलपुर, तिनसुकिया और पश्चिम कार्बी आंग्लांग शामिल हैं। जबकि तीसरे चरण में बंगाईगांव, बिश्वनाथ, दरांग, डिब्रूगढ़, ग्वालपाड़ा, कछार, नलबाड़ी, मोरीगांव, डिमा हसाउ और माजुली शामिल हैं। अधिसूचना में आगे बताया गया कि यह अभ्यास सरकारी/प्रांतीयकृत चाय बागान मॉडल स्कूलों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, आदर्श विद्यालयों और चाय बागान-प्रबंधित स्कूलों में किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया है कि कक्षा 1 से 9 तक के कुल 39,65,081 छात्र इस पहल के अंतर्गत आएंगे। प्रमुख विशेषताओं में वार्षिक परीक्षा के अंकों का 10 प्रतिशत वेटेज, शैक्षणिक कैलेंडर में गुणोत्सव की अनुसूची को शामिल करना, अनुपस्थित छात्रों को स्कूल ग्रेडिंग में शामिल करना, तथा बाह्य मूल्यांकन के दिन क्लस्टर के भीतर शिक्षकों की अदला-बदली करना शामिल है।

राज्यपाल नागरिक सुरक्षा ...

गृह रक्षकों से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने प्रशासनिक व्यवस्था, विशेषकर आपातकालीन स्थितियों एवं आपदा प्रबंधन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। राज्यपाल ने कहा कि नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के जवान हमेशा राष्ट्र और उसके लोगों की रक्षा में अपनी सेवाएं देने में तत्पर रहते हैं। असाधारण दक्षता, कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के जवान हमेशा अपनी गहन प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं, जो सुरक्षा, शांति बनाए रखने और मानव निर्मित और कृत्रिम दोनों तरह की आपदाओं से निपटने से कहीं आगे तक जाती है। देश की भौगोलिक विविधता और जलवायु चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल ने आपदा प्रबंधन और आपदा के प्रभावों को कम करने में सिविल डिफेंस और होमगार्ड से जुड़े बलों की तत्परता और दक्षता की सराहना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने विशेष रूप से विभिन्न आपात स्थितियों के दौरान उनके साहस और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त सिविल डिफेंस और होमगार्ड पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री की प्रशंसा और आभार व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा से ही देशवासियों की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति बहुत संवेदनशील रहे हैं और इसलिए उन्होंने रक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए नवाचार, अनुसंधान और पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में सरकारी हस्तक्षेप किया है। राज्यपाल ने केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, पानीखाइटी में एक आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की भी प्रशंसा की, जो औद्योगिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और उभरती प्रौद्योगिकियों में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

अष्टलक्ष्मी महोत्सव में ...

अधिक बार पूर्वोत्तर के राज्यों का दौरा किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम पूर्वोत्तर को भावना, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी की त्रिमूर्ति से जोड़ रहे हैं। मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर के विकास के लिए 90 के दशक में बनाई गई नीति के बनने से लेकर 2014 तक जितना बजट पूर्वोत्तर को मिला, उससे कहीं अधिक हमने बीते 10 सालों में दिया है। पिछले एक दशक में सिर्फ एक योजना के तहत पूर्वोत्तर पर 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं। यह पूर्वोत्तर के प्रति मौजूदा सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। इस योजना के अलावा, हमने पूर्वोत्तर के लिए विशेष योजनाएं भी शुरू कीं। वोट बैंक की राजनीति को लेकर पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक हमने देखा है कि विकास को कैसे वोटों की संख्या से तोला गया। पूर्वोत्तर के पास वोट कम थे, सीटें कम थीं, इसलिए पहले की सरकारों द्वारा वहां के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री ने अष्टलक्ष्मी महोत्सव को पूर्वोत्तर के बेहतर भविष्य का उत्सव बताया और कहा कि भारत में आने वाला समय पूर्वोत्तर का है। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर में आठ राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम में अष्टलक्ष्मी के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों में हम अगरतला, गुवाहाटी, गंगटोक, एजल, शिलांग, इटानगर, कोहिमा जैसे शहरों का नया सामर्थ्य देखने वाले हैं। मोदी ने कहा कि इसमें अष्टलक्ष्मी जैसे आयोजनों की बहुत बड़ी भूमिका होगी। मोदी ने कहा कि यह महोत्सव पूर्वोत्तर के किसानों, कारगीरों, शिल्पकारों के साथ-साथ दुनिया के निवेशकों के लिए भी एक बेहतर अवसर है। उन्होंने कहा कि ये पहला और अनोखा आयोजन है, जब इतने बड़े स्तर पर पूर्वोत्तर में निवेश के द्वार खुल रहे हैं। ये पूर्वोत्तर के किसानों, कारीगरों व शिल्पकारों के साथ-साथ दुनियाभर के निवेशकों के लिए भी बेहतरीन अवसर है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में पूर्वोत्तर में अनेक ऐतिहासिक शांति समझौते हुए हैं। राज्यों के बीच भी जो सीमा विवाद थे, उनमें भी काफी सौहार्द्रपूर्ण ढंग से प्रगति हुई हैं। पूर्वोत्तर में हिंसा के मामले में कमी आई हैं। अनेक जिलों से अफस्पा (सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम) को हटाया जा चुका है। हमें मिलकर अष्टलक्ष्मी का नया भविष्य लिखना है और इसके लिए सरकार हर कदम उठा रही है। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुकांत मजूमदार आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व ...

परिवर्तन के इस दशक ने पूर्वोत्तर में नई ऊर्जा का संचार किया है। सोनोवाल ने अपने आवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए पूर्वोत्तर राज्य प्राथमिकता बना हुआ है। 2014 के बाद से इस क्षेत्र के विकास के लिए आवंटित बजट परिव्यय में 300 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। साल 2014 में 36,108 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे, जो बजट परिव्यय वित्त वर्ष 2023-24 में 94,680 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार में 28 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 2014 तक इस क्षेत्र में 80 राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) थे, जो 2023 तक बढ़कर 103 एनएच हो गए। इंफ्रा डवलपमेंट स्कीम परिव्यय में 26 गुना की भारी वृद्धि हुई है जो मात्र 94 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,491 करोड़ रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने भी क्षेत्र में विस्तार किया है, जिससे हर साल 193 किलोमीटर से अधिक रेल लाइनें चालू होने के साथ संपर्क में सुधार हुआ है। क्षेत्र के लिए रेलवे बजट में 370 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। क्षेत्र में ब्रॉड गेज का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल किया है। कांग्रेस के 60 साल के शासन में इस क्षेत्र में केवल 9 हवाई अड्डे संचालित थे। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में एक दशक से भी कम समय में क्षेत्र में अब 17 हवाई अड्डे संचालित हैं। उन्होंने कहा कि 7 हजार से अधिक गांवों में पाइप से पीने का पानी उपलब्ध है। इस दशक में क्षेत्र ने विश्वविद्यालयों की संख्या में 39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ स्वस्थ विकास भी देखा है। जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 1.55 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि का उपयोग किया गया। 4,016 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़क परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं, जबकि 4 जी कनेक्टिविटी पूर्वोत्तर के लगभग सभी भागों में पहुंच गई है।

आतंकियों के इकोसिस्टम...

के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि फिलहाल 18 राज्यों में आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) या स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) का गठन किया गया है, जो पूरी तरह से आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए समर्पित है। नई आतंकवाद रोधी नीति में सभी राज्यों में इस तरह से विशेष प्रशिक्षत दस्ते की तैनाती का प्रविधान किया जाएगा। इसमें इस विशेष प्रशिक्षत दस्तों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत इन विशेष दस्तों को एनएसजी द्वारा अनुमोदित हथियारों से लैस किया जाएगा और एनएसजी द्वारा उन्हें प्रशिक्षत किया जाएगा। सभी राज्यों में इन दस्तों के गठन के बाद वे पूरे भारत में एक आतंकवाद रोधी ग्रिड के रूप में काम करेंगे। नई आतंकवाद रोधी नीति में सिर्फ आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई ही नहीं, बल्कि उनके पूरे इकोसिस्टम से निपटने का प्रविधान भी किया जा रहा है। इसके तहत सभी राज्यों में युवाओं को कट्टरपंथी बनने से रोकने के लिए विशेष यूनिट भी बनाई जाएगी। इस यूनिट का काम कट्टरपंथ फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही उनके बहकावे में आए युवाओं को वापस मुख्यधारा में जोड़ना भी होगा। इसी तरह से आतंकी फंडिंग रोकने के लिए सभी राज्यों में विशेष फाइनेंशियल इंटेलीजेंस यूनिट भी गठित की जाएगी, जिसका काम आतंकी फंडिंग से जुड़े लेन-देन की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करना होगा। नई नीति में आतंकवाद से जुड़ी सभी खुफिया जानकारी पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मानक कार्यवाही का तरीका (एसओपी) भी तैयार किया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई नीति पर सभी राज्यों के साथ बातचीत जारी है और नए साल की शुरुआत में ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

राज्यसभा में नोटों की ...

जब वहाब अपना प्रस्ताव पढ़ रहे थे, तब सत्ता पक्ष के सदस्य खड़े होकर नारे लगाते रहे। उसी दौरान विपक्ष के कुछ सदस्य भी बोलने लगे, लिहाजा उपसभापति ने सदन की कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह सदन की कार्रवाही शुरू होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि गुरुवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने सूचित किया कि सीट नंबर 222 के पास से नकदी बरामद हुई है। यह सीट तेलंगाना से राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है। इस मामले की जांच नियमों के अनुसार की जा रही है। सभापति ने जैसे ही यह बात कही, विपक्षी सांसद नाराज हो गए और शोर मचाने लगे। सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीच में खड़े हो कर कहा कि नियमों के तहत जांच होनी चाहिए। जब तक मामले की जांच चल रही है और यह साबित नहीं हो जाता, तब तक सभापति को अभिषेक मनु सिंघवी का नाम नहीं लेना चाहिए था। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि यह असाधारण घटना है, इसकी जांच होनी चाहिए। इसके बाद दोनों पक्षों की सहमति से शून्य काल शुरू किया गया। इसके तहत फेंजल चक्रवात, नशे की लत, तमिलनाडु में पर्यटन के विकास, गैर संचारित बीमारियों की रोकथाम, पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना, अदालतों में लंबित मामले, निजी सेक्टर में काम के दौरान तनाव पर सांसदों ने अपनी बात रखी। 12 बजे प्रश्नकाल शुरू हुआ, जिसमें किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के मुद्दे, ग्रामीण विकास और जैविक खेती पर प्रश्न पूछे गए।

विजय दिवस पर ...

नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के दौरान भी जारी रही। इस बार पूर्वी कमान द्वारा जारी कार्यक्रम सूची में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल के दौरे का जिक्र नहीं है। जब पत्रकारों ने इस पर सवाल किया तो मेजर जनरल मोहित सेठ, जनरल स्टाफ (एमजीजीएस), ने कहा कि हम आपको जानकारी देंगे। मेजर जनरल सेठ ने बताया कि 1971 के युद्ध में भारतीय सेना ने मुक्ति वाहिनी को अपने अभियानों में शामिल किया। उन्होंने कहा कि युद्ध से पहले पाकिस्तान ने ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत बंगाली राष्ट्रवादियों पर अत्याचार किए। इसमें हजारों लोग मारे गए और लाखों को पलायन करना पड़ा। इनमें से कई शरणार्थी पश्चिम बंगाल पहुंचे। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय सेना ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान को पश्चिम पाकिस्तान की जेल से रिहा कराया था। राजनीतिक अस्थिरता बनी वजह-राजनीतिक और सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि बांग्लादेश में हाल की हिंसा और अस्थिरता के चलते मुक्तियोद्धा सार्वजनिक रूप से सामने आने से बच रहे हैं। इस साल पांच अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद छोड़ने के बाद देश छोड़कर जाना पड़ा था। अगर मुक्तियोद्धा कोलकाता में विजय दिवस कार्यक्रम में शामिल होते हैं, तो उनकी पहचान उजागर हो सकती है। इससे उनके खिलाफ हिंसा का खतरा बढ़ जाएगा। इस कारण मुक्तियोद्धाओं की भागीदारी परंपरा इस बार टूट सकती है।

बंट गए किसान! एक ...

बैठा लिया था। पंचायत के दौरान किसान नेता राकेश टिकैत का इंतजार होता रहा। लेकिन वे नहीं पहुंच पाए। पंचायत होने के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों ने पंचायत स्थल पर जेल गए किसानों को रिहा करने के बाद चार दिसंबर को पंचायत करके आगे के आंदोलन को लेकर फैसला लेने का एलान किया था। चार दिसंबर को देर रात में ही धरना स्थल पर मौजूद किसानों को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। दोबारा से किसानों को जेल भेजने से नाराज किसान हर रोज दिल्ली कूच कर गिरफ्तारियां दे रहे है। शुक्रवार को भी परी चौक पर पचास से अधिक किसान और महिलाओं ने दिल्ली कूच करने का प्रयास किया। पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लुकसर जेल भेज दिया। वहीं भारतीय किसान यूनियन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पवन खटाना ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर कहा कि सरकार ने सात दिन में जांच करके अपनी रिपोर्ट देने का भरोसा दिया था। सरकार ने वार्ता के रास्ता खोले गए। इंतजार करने का बात कही गई है। वहीं दूसरी और मोर्चा के नौ किसान संगठनों ने गिरफ्तार किसानों को रिहा करने, 10 फीसदी भूखंड देने समेत मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने का एलान किया जा रहा है। किसान नेता हर रोज लाइव आकर दिल्ली कूच को लेकर अपने पदाधिकारियों को बयान दे रहे है।

हिंदुओं पर अत्याचार...

सचिव के नेतृत्व में विदेश कार्यालय परामर्श एक संरचित जुड़ाव है। दोनों देशों के लिए यह बैठक काफी महत्वपूर्ण साबित होने वाली है। बांग्लादेश ने हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर कोलकाता में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच कोलकाता में तैनात अपने कार्यवाहक उप उच्चायुक्त सिकंदर मोहम्मद अशरफुर रहमान को परामर्श के लिए तत्काल बुलाया है। रहमान बांग्लादेश के राजनीतिक मामलों के मंत्री भी हैं और वह ढाका लौट गए हैं। कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोलकाता में हमारे कार्यालय के बाहर जारी विरोध प्रदर्शनों के बाद अशरफुर रहमान को बातचीत के लिए तत्काल बुलाया गया है। इसके अलावा वह अगले सप्ताह दोनों देशों के बीच होने वाली विदेश सचिव स्तर की वार्ता के दौरान प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। वह इस महीने के मध्य तक वापस आ जाएंगे। राजनीतिक दलों और धार्मिक समूहों ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के विरुद्ध अत्याचारों की निंदा करते हुए कोलकाता स्थित उप उच्चायोग के सामने पिछले सप्ताह कई विरोध प्रदर्शन किए। संबंधित घटनाक्रम के तहत त्रिपुरा की राजधानी अगरतला स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग ने सुरक्षा कारणों से अपनी सभी सेवाएं अगले आदेश तक स्थगित कर दी हैं। बांग्लादेश ने यह घोषणा उसके देश में हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे लोगों के एक समूह द्वारा अगरतला स्थित सहायक उच्चायोग में सोमवार को जबरन घुसने की घटना के बाद की। बढ़ते तनाव के बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने अगरतला स्थित सहायक उच्चायोग में हुई तोड़फोड़ को लेकर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए ढाका में भारत के उच्चायुक्त को तलब किया था।

कन्नौज में सड़क ...

मुख्यमंत्री ने घायलों के बेहतर इलाज के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कन्नौज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने हादसे में आठ लोगों की मौत होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यात्रियों को लेकर लखनऊ से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस दोपहर को लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर सकरवा और सौरिख थाना के बीच माइल स्टोन-141 के पास खड़े वाटर टैंकर से टकराकर पलट गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि रास्ते में एक वाटर टैंकर खड़ा था जो प्लांट में पानी डाल रहा था। बस खड़े टैंकर से टकरा गया। घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। वहीं दूसरी बस मंगवाकर अन्य यात्रियों को रवाना कर दिया गया। घटना के बारे में मृतकों के परिवार वालों को जानकारी दे दी गई है। मृतकों की पहचान लखनऊ के गोमतीनगर निवासी गिरीश यादव, लखनऊ के बंगला बिहार निवासी धर्मेंद्र वर्षनी, अम्बेडकर नगर निवासी पूरन पटेल, दिल्ली निवासी अकाल, कन्नौज निवासी ऋषि यादव, रोहित यादव, चालक प्रेम और राहुल के रूप में हुई है। इनमें से कुछ लोगों के बारे में पुलिस को अभी कुछ जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस के मुताबिक एक यात्री ने बताया कि वह लखनऊ से बैठा था। पूरी बस खचाखच भरी हुई थी। कन्नौज के पास पहुंचते ही अचानक बस कैसे टकरा गई, कुछ समझ में नहीं आया। लोगों को बहुत चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से हम लोग बाहर निकल पाए। लखनऊ के आलमबाग निवासी एक यात्री ने बताया कि बस में कम से कम 100 लोग सवार थे। राज्य के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि जिस वक्त उनका काफिला गुजर रहा था, उसी दौरान यह हादसा हुआ। यह देख कर वे रुक गए। उनकी सूचना पर फौरन पुलिस अधीक्षक समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

नाबालिग से दुष्कर्म ...

सरदार को दोषी करार दिया था। शुक्रवार को सजा पर सुनवाई के बाद अदालत ने फांसी की सजा सुनाई। साथ ही मृतका के परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया। सरकारी वकील विभास चट्टोपाध्याय ने कहा कि यह घटना नृशंस और दुर्लभतम मामलों में से एक थी। हमने फांसी की मांग की थी और अदालत ने इसे स्वीकार किया। इस मामले में डीएनए प्रोफाइल ने अहम भूमिका निभाई, जिससे संदेह की कोई गुंजाइश नहीं रही।

भारतीय किसान संघ की दो दिवसीय कार्यकारिणी की बैठक, पूर्वोत्तर के किसानों के विकास को लेकर प्रस्ताव

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय किसान संघ (भाकिसं) की असम की राजधानी गुवाहाटी में आयोजित हुई दो दिवसीय (5 व 6 दिसंबर) अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक में पूर्वोत्तर राज्यों की कृषि व किसानों की स्थिति, प्राकृतिक आपदा से प्रभाव, स्थानीय संघर्ष, पलायन को लेकर चिंता व्यक्त की गई। इसके साथ पराली जलाने के नाम पर किसानों की छवि खराब करने, जीएम बीजों को लेकर शासन की ढुलमुल नीति, गुणवत्ता युक्त खाद, बीज, बिजली एवं पानी के लिए किसानों के मुश्किलों पर भी चर्चा की गई। कार्यकारिणी बैठक में पूर्वोत्तर राज्यों के विकास को लेकर प्रस्ताव पास किया गया। इसकी जानकारी देते हुए संगठन के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने बताया कि कार्यकारिणी बैठक में पूर्वोत्तर राज्यों की कृषि, किसान को स्वावलंबी और संपन्न बनाने की दृष्टि से प्रस्ताव पास कर सरकार को सुझाव भेजे गए हैं। जिन पर सरकार से शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया गया है। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के समक्ष रखी मांगबैठक में किसान संघ ने पारित प्रस्ताव में राज्य व केंद्र सरकार को

सुझाव भेजा कि पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति के माहौल के चलते औद्योगिक विकास नहीं के बराबर है, जिससे बेरोजगारी क्षेत्र के लिए बड़ी समस्या बन गई है। ऐसे में कृषि क्षेत्र के विकास की दृष्टि से पूर्वोत्तर राज्यों में छोटी जोत के लिए छोटे-छोटे यंत्रों पर अनुदान देकर उनकी व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहिए। जैविक खेती करने वाले किसानों के लिए प्रस्ताव में छोटी-छोटी जैविक मंडी की श्रृंखला खड़ी करने की बात भी कही गई है। साथ ही जैविक उत्पाद की प्रोसेसिंग, आधारभूत संरचना विकसित करने, मार्केट उपलब्ध कराने, देश के अन्य क्षेत्रों में उत्पाद ले जाने, ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था करने की मांग प्रस्ताव में शामिल हैं। जिला स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण इकाई, बिजली, सिंचाई, सामूहिक प्रशीतन गृह निर्माण के लिए अधोसंरचना तैयार करने के सुझाव पारित प्रस्ताव में शामिल हैं। किसान एवं खेती के उत्थान के बिना देश का उत्थान नहीं-दिनेश कुलकर्णीसमापन सत्र को संबोधित करते हुए किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी ने कहा कि किसान एवं खेती के उत्थान के बिना देश का उत्थान नहीं हो सकता। 2047 का विकसित भारत कैसा होगा, हमारी क्या भूमिका हो इस विषय पर कुलकर्णी ने कहा कि कृषि देश में सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाला क्षेत्र है। इस दृष्टि से पशुधन, पशुधन के आधार पर खेती और प्रसंस्करण के साथ व्यापार की तरफ बढ़ना होगा। कुलकर्णी ने 2047 के लिए विकसित भारत की कल्पना को पूर्ण करने के लिए *गौ कृषि वाणिज्यम* के मॉडल को उपयुक्त बताया। जिससे गांव एवं किसान संपन्न होंगे और हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। जीएम का आंदोलन समाज के लिएकिसान संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक में जीएम फसलों की अनुमति देने एवं उसके खिलाफ देशभर के सांसदों को सौंपे जा रहे ज्ञापन आंदोलन के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। किसान प्रतिनिधियों का कहना था कि जीएम सिर्फ किसान के लाभ-हानि का मुद्दा नहीं है। यह सीधे देश के आम नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। किसान संघ का मानना है कि जीएम फसलों की अनुमति से सीधे देश के नागरिकों, पर्यावरण एवं जुड़े हितधारकों के जीवन से खिलवाड़ होगा। इसलिए इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। किसान संघ ने देश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जीएम फसलों के खिलाफ आंदोलन आम नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा का आंदोलन है। समाज को भी अपनी भागीदारी इस आंदोलन में सुनिश्चित करनी चाहिए।

बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विशाल विरोध रैली

कोकराझाड़ (हिंस)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अमानवीय अत्याचार, संपत्तियों की तोड़फोड़ और अन्य हिंसा के विरोध में आज गोसाईगांव में एक विशाल विरोध रैली का आयोजन किया गया। यह रैली गोसाईगांव उपखंड सनातन समाज के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। रैली में शामिल दो हजार से अधिक लोगों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर *यूनुस सरकार हाय हाय, यूनुस सरकार मुर्दाबाद, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो, चिन्मय दास को रिहा करो, बांग्लादेश के कट्टरपंथी ताकतों का नाश हो* जैसे नारे लगाकर गोसाईगांव की सड़कों पर नारे लगाए। गोसाईगांव के नाट्य मंदिर परिसर से शुरू होकर यह रैली पूरे शहर का भ्रमण करती हुई उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंची। वहां बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने की मांग सहित कई अन्य मांगों को लेकर एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा गया। रैली का उद्घाटन गोसाईगांव के कमलनाथ क्लब सह लाइब्रेरी के अध्यक्ष पुतुल चंद्र दास ने किया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार के शासनकाल में अराजकता का माहौल पैदा हो गया है। विशेष रूप से अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध, ईसाई, जैन धर्म के लोगों पर अत्याचार किया जा रहा है और हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया जा रहा है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

शिवसागर में सूअर की बिक्री पर रोक, व्यापारी परेशान

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के डिमो राजस्व चक्र अधिकारी कार्यालय इलाके में सूअर में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू पाए जाने के बाद जिला प्रशासन द्वारा जिले में सूअर के मांस की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिसकी वजह से स्थानीय व्यापारी काफी परेशान हैं। डिमो, इकरानी, वकता बर, देउधाई, जाफपिहजिया आदि इलाकों में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू की वजह से काफी सुअरों की मौत हुई थी। जिसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा जिले में सुअर को काटने और बिक्री करने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। जब तक जिला प्रशासन द्वारा दूसरा आदेश सूअर के मांस की बिक्री पर जारी नहीं किया जाता तब तक जिले में पूरी तरह सूअर के मांस की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। दो सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद सूअर के मांस की बिक्री पर प्रतिबंध नहीं हटाए जाने से स्थानीय व्यापारी काफी परेशान हैं। आंल शिवसागर जिला सूअर मांस व्यापारी संस्था ने जिला प्रशासन से सूअर के मांस की बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाए जाने की मांग की है। संगठन के लोगों ने कहा कि जिले के आसपास डिब्रूगढ़, जोरहाट, चराईदेव इलाके में सूअर के मांस की बिक्री जारी है।

कांग्रेस प्रमुख ने सीएम पर लगाया *राजनीतिक साजिश* करने का आरोप

गुवाहाटी। असम कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की तीखी आलोचना की है और उन पर इस महीने की शुरुआत में *राजनीतिक साजिश* में शामिल होने का आरोप लगाया है। शुक्रवार (6 दिसंबर) को साझा किए गए एक वीडियो में, बोरा ने राज्य में गोमांस की खपत पर प्रतिबंध लगाने संबंधी शर्मा की हालिया टिप्पणियों पर निशाना साधा। बोरा ने शर्मा की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखने को कहा था। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री मेरे कहने पर कार्रवाई करते हैं? बोरा ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ने हमेशा असम की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता का समर्थन किया है। उन्होंने

कहा कि हमने कभी भी व्यक्तियों की खान-पान की आदतों या सांस्कृतिक प्रथाओं में हस्तक्षेप नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और आरएसएस गौ पूजा को बढ़ावा देते हैं और गौहत्या की निंदा करते हैं, लेकिन प्रत्येक समुदाय की संस्कृति और परंपरा के अनुसार उनकी खान-पान संबंधी प्राथमिकताओं का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। बोरा ने दोहराया कि संविधान स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है, एक सिद्धांत जिसे केवल कांग्रेस ही सही मायने में कायम रखती है और उसका बचाव करती है। कांग्रेस नेता ने अहोम साम्राज्य के संस्थापक चाओलुंग सुकफा की विरासत के बारे में आगे बात की और बताया कि कैसे ऐतिहासिक शासक ने सांस्कृतिक विविधता का सम्मान किया और राज्य में दूसरों पर कभी भी अपनी संस्कृति, धर्म या भाषा नहीं थोपी। बोरा ने कहा कि सुकफा ने कई छोटे राज्यों को जीता, लेकिन उन्होंने कभी भी उन पर हावी होने या उनकी परंपराओं को मिटाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने इसकी तुलना भाजपा और आरएसएस द्वारा असम में अपने विचारों को थोपने के कथित प्रयासों से की।

धन उगाही के आरोप में सरकारी कर्मचारी समेत चार लोग गिरफ्तार

उदालगुड़ी (हिंस)। क्राइम ब्रांच ने एक सरकारी कर्मचारी समेत चार लोगों को धन उगाही करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट कार्यालय में तृतीय श्रेणी कर्मचारी गोकुल दैमारी ने एक नए उग्रवादी संगठन को जन्म देने के नाम पर सरकारी कार्यालयों से पैसे की मांग कर रहा था। नवगठित लिबरेशन टाइगर्स फोर्स ऑफ बोड़ोलैंड के नेतृत्व के रूप में एनडीएफबी के पूर्व कैडर दौहारू बसुमतारी ने दो और युवाओं के साथ मिलकर उदालगुड़ी जिले में एक सरकारी कार्यालय में पैसे की मांग की।

सामागुड़ी क्षेत्र में सांसद रकीबुल हुसैन का फूंका पुतला

नगांव (हिंस)। सामागुरी विधानसभा क्षेत्र के गेरुती में शुक्रवार को सांसद रकीबुल हुसैन का पुतला जलाया गया और धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि रकीबुल हुसैन ने गोमांस की राजनीति के जरिए सांप्रदायिकता फैलाकर अपनी खराब मानसिकता का परिचय दिया है। लोगों ने आरोप लगाया कि बेटे की पराजय के बाद रकीबुल हुसैन मानसिक रूप से परेशान हो गए हैं। सामागुरी के अल्पसंख्यक विकास की राजनीति में लगे हैं। इस बार उन्होंने विकास के लिए भाजपा को वोट दिया है। इसलिए रकीबुल हुसैन ने नारे लगाने शुरू कर दिए हैं। रकीबुल हुसैन न तो धार्मिक व्यक्ति हैं, और न ही मुफ्ती, वह धार्मिक भावनाओं को लेकर राजनीति करते हैं। प्रदर्शनकारियों ने सांसद को अपमानजनक टिप्पणियां करने से बाज आने की अपील की।

बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने बाक्सा में विकासात्मक पहलों की समीक्षा की

बुनियादी ढांचे, आजीविका और योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन पर ध्यान दिया

विकसित भारत समाचार

बाक्सा। बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने शुक्रवार को बाक्सा जिले के दौरे के दौरान विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। इस दौरे का उद्देश्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और आजीविका को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों की प्रगति का आकलन करना था। दिन भर के कार्यक्रम में साइट निरीक्षण, हितधारकों के साथ बातचीत और विभिन्न कल्याणकारी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया, जिसमें जिले की विकास प्रगति पर प्रकाश डाला गया। अपने दौरे के दौरान, प्रधान सचिव आकाश दीप ने असम की आरओपी एनएचएम योजना के तहत स्थापित बरमा मॉडल अस्पताल का निरीक्षण किया और इसके बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन किया। उन्होंने बरमा बीएड कॉलेज की सुविधाओं की भी समीक्षा की, जिले में शैक्षिक अवसरों का विस्तार करने के लिए डिजाइन किए गए बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया। प्रधान सचिव ने एसओपीडी योजना के तहत निर्मित गोल्डिंगपारा मॉडल

आंगनबाड़ी केंद्र और पीएनआरडी विभाग की मनरेगा योजना के तहत निर्मित चांदबारीखुटी आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा किया। आंगनबाड़ी केंद्रों पर, प्रधान सचिव आकाश दीप और बक्सा डीसी गौतम दास ने पोषण उद्यान में फलों के पौधे लगाए। प्रधान सचिव ने विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले व्यक्तिगत प्रगतिशील किसानों से भी मुलाकात की: अंबारी में डीआरडीए द्वारा ग्राम समृद्धि लचीलापन योजना (वीपीआरपी-आईबीएस) की महिला लखपति पहल के तहत निर्मित एक बकरी शेड, रंजीत बसुमतारी द्वारा प्रबंधित कृषि विभाग द्वारा समर्थित बारीमुख में एक मशरूम की खेती स्थल, जो क्षेत्र में टिकाऊ कृषि के लिए एक मॉडल के रूप में उभरा है। पशुधन पहलों के अपने मूल्यांकन के हिस्से के रूप में प्रधान सचिव ने बोड़ोलैंड पिग मिशन के तहत प्रियंका स्वर्गियारी द्वारा संचालित बालापारा में एक सुअर फार्म का भी दौरा किया। सुभानश्री वीसीडीसी में आयोजित बैठक में प्रधान सचिव ने क्षेत्र स्तर के कार्यकर्ताओं और वीसीडीसी कर्मियों के साथ बैठक की, कल्याण संबंधी मुद्दों पर चर्चा की और स्थानीय शासन में सुधार के लिए चल रही पहलों पर चर्चा की। दिन का समापन जिला विकास समिति (डीडीसी) की बैठक के साथ हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रधान सचिव ने की। बैठक के दौरान उन्होंने सरकारी योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के महत्व पर जोर दिया और परिषद-विशिष्ट पहलों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधूरी परियोजनाओं पर भी चिंता व्यक्त की और अधिकारियों से उन्हें पूरा करने को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। पीएस आकाश दीप ने सरकारी धन के प्रभावी उपयोग और बक्सा जिले के लोगों को गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने पर भी जोर दिया। जिला आयुक्त गौतम दास, अतिरिक्त उपायुक्त और डीआरडीए, जल संसाधन विभाग, जेजेएम, पीडब्ल्यूडी और अन्य प्रमुख विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

ग्वालपाड़ा में सरकारी जमीन पर प्रशासन का अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के माटिया शिमलिटोला क्षेत्र के टोपलाखोवा गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में आज सुबह से सर्वेक्षण कार्य पूरा किया गया और जल्द ही बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाने की योजना बनाई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, टोपलाखोवा गांव के पिछड़े हिस्से की सरकारी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से घर बनाकर कब्जा कर लिया है। इस अवैध कब्जे के खिलाफ जागरूक नागरिकों की शिकायत के आधार पर प्रशासन ने सक्रियता दिखाई है। माटिया राजस्व क्षेत्र के अधिकारियों ने अवैध कब्जाधारियों को पहले ही नोटिस जारी किया था, लेकिन उनके द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। आज राजस्व विभाग ने सर्वेक्षण कार्य करते हुए जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने का संकेत दिया। इस दौरान अभियान स्थल पर पुलिस और सीआरपीएफ बलों की उपस्थिति देखी गई। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की खबर फैलने के बाद टोपलाखोवा गांव के आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह अभियान जल्द ही पूरी सख्ती के साथ चलाया जाएगा। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के इस कदम को लेकर स्थानीय लोगों के बीच हलचल तेज हो गई

बीटीसी प्रमुख ने केंद्रीय मंत्री जयंत सिंह से की मुलाकात

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने बीटीसी कार्यकारी सदस्य विल्सन हसदा के साथ आज नई दिल्ली में केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत सिंह से मुलाकात की। बैठक के दौरान, सीईएम बोरो ने केंद्रीय मंत्री को बीटीआर में कौशल विकास परिदृश्य को बढ़ाने के लिए बीटीसी सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को रोजगार योग्य कौशल से लैस करने और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ावा देने, क्षेत्र में सतत विकास और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री ने बीटीआर में कौशल विकास ढांचे को मजबूत करने के मिशन को अपना समर्थन दिया। इस सहयोग से क्षेत्र में युवा सशक्तीकरण और रोजगार की संभावनाओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय आरोग्य मेला लोगों की उमड़ रही है भारी भीड़

प्राचीन आयुर्वेदिक उपचार को संरक्षित व जागरूकता लाना हमारा लक्ष्य : प्रियोनारी डॉ. मंदिरा बरुवा

गुवाहाटी। बेतकुची स्थित मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में सामाजिक और सांस्कृतिक विकास संगठन *शतशोर* के तत्वावधान में आयोजित *राष्ट्रीय आरोग्य मेला* मैं लोगों की भारी भीड़ उमड़ रह हैका। इससे पूर्व चार दिवसीय *राष्ट्रीय आरोग्य मेला* का उद्घाटन बृहस्पतिवार को एम्स गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) अशोक पुराणिक ने दीप प्रचलित कर किया। इस मौके पर एम्स गुवाहाटी की अध्यक्ष उन्मोना बरगोहाई, वरिष्ठ पत्रकार प्रणय बोरदोलोई, असम सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की उप सचिव सुसपना काकोती, उप निदेशक आयुष डॉ. निबुल कुमार गोगोई, संस्थापक अध्यक्ष *शतशोर* प्रियोनारी डॉ. मंदिरा बरुआ, डिप्टी मेयर स्मिता रॉय, वन और जलवायु परिवर्तन (भारत सरकार) के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हेमेन हजारिका, सेवानिवृत्त जीएम आईओसीएल व मेले के मुख्य सलाहकार मैनाक पात्रा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना महामारी ने हमें आयुर्वेद के महत्व को समझा दिया है और अब वक्त आ गया है कि हमें प्राकृतिक उपचार का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि हम स्वस्थ रह सके तुलसी अश्वगंधा हल्दी इत्यादि में कई गुण है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है। इस अवसर पर आयोजन की अध्यक्ष प्रियोनारी डॉ. मंदिरा बरुवा ने कहा कि इस *राष्ट्रीय आरोग्य मेले* में हमारा उद्देश्य हमारी प्राचीन आयुर्वेदिक विरासत की रक्षा और

संरक्षण करना और नागरिकों में जागरूकता लाना है। देश के विभिन्न हिस्सों से ग्रामीण आयुर्वेदिक डॉक्टरों ने पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में भाग लिया, जड़ी-बूटियों के अनुसंधान, उत्पादन और विपणन में शामिल विभिन्न संस्थान, उद्योग और अनुभवी आयुर्वेदिक डॉक्टर भी इस मेले में उपस्थित होकर लोगों को जागरूक एवं उपचार कर रहे हैं। *राष्ट्रीय आरोग्य मेला* में सेमिनार, लोकगीत प्रतियोगिताएं, पारंपरिक हर्बल चिकित्सा और आयुर्वेदिक विज्ञान पर चार दिवसीय प्रदर्शनी भी होगी। यह मेला आगामी 8 दिसंबर तक सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। मेले के पूरे चार दिनों के दौरान अनुभवी योग शिक्षकों द्वारा योग सत्र भी उपलब्ध रहेंगे। उल्लेखनीय है कि आयोजन समिति विभिन्न राज्यों से आए सभी प्रदर्शकों, प्रतिभागियों के लिए भोजन, आवास और परिवहन की व्यवस्था कर रही है। चार दिवसीय *राष्ट्रीय आरोग्य मेला* को सफल बनाने में *शतशोर* की सभी सदस्याएं जुटी हुई है।

संपादकीय

उपराष्ट्रपति के किसानी सवाल

कृषि मंत्री जी, एक-एक पल आपका भारी है। मेरा आपसे आग्रह है और भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपा कर मुझे बताएं कि क्या किसानों से वायदा किया गया था? वायदा क्यों नहीं निभाया गया? वायदा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? गत वर्ष भी आंदोलन था, इस वर्ष भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं!'' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों को लेकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से ये सवाल किए हैं। यह पहली बार है कि एक ही सरकार में उपराष्ट्रपति ने कृषि मंत्री से सवाल किए हैं। उपराष्ट्रपति खुद किसान, ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य दे दोगे, तो कोई पहाड़ नहीं गिरेगा। उपराष्ट्रपति के ये सवाल इसलिए मौजू हैं, क्योंकि 6 दिसंबर से किसान आंदोलन फिर शुरू हो सकता है। इस बार यह पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उप्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक आदि राज्यों से भी किसान मोर्चे आंदोलित होंगे।

भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपा कर मुझे बताएं कि क्या किसानों से वायदा किया गया था? वायदा क्यों नहीं निभाया गया? वायदा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? गत वर्ष भी आंदोलन था, इस वर्ष भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं!'' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों को लेकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से ये सवाल किए हैं। यह पहली बार है कि एक ही सरकार में उपराष्ट्रपति ने कृषि मंत्री से सवाल किए हैं। उपराष्ट्रपति खुद किसान, ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य दे दोगे, तो कोई पहाड़ नहीं गिरेगा। उपराष्ट्रपति के ये सवाल इसलिए मौजू हैं, क्योंकि 6 दिसंबर से किसान आंदोलन फिर शुरू हो सकता है। इस बार यह पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उप्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक आदि राज्यों से भी किसान मोर्चे आंदोलित होंगे।

उपराष्ट्रपति का सवाल है कि देश का किसान लगातार परेशान, पीड़ित और आंदोलित क्यों है? जो किसान घर बैठे हैं, वे भी आंदोलित और चिंतित हैं, लिहाजा आंदोलन की संख्या वही न गिनी जाए, तो किसान सडक़ पर उतरेंगे। हालांकि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पर कुछ नहीं कहा और इस संबंध में गठित समिति पर भी सवाल नहीं किया, लेकिन उपराष्ट्रपति के रूप में किसानों को एक ताकतवर, सशक्त पैरोकार मिला है। शिवराज भी जून, 2024 में ही कृषि मंत्री बने हैं। जो भी वायदे किए गए होंगे, वे नरेंद्र तोमर और अर्जुन मुंडा के कृषि मंत्री काल के होंगे! बहरहाल भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का 17 फीसदी से अधिक का योगदान है और देश के कार्यबल में करीब 47 फीसदी कृषि और किसान का योगदान है। देश की करीब दो-तिहाई आबादी कृषि के भरोसे है, लेकिन आज भी किसान की औसत आय 16,928 रुपए माहवार है। किसान की आय से अधिक खर्च बढ़े हैं और प्रति किसान 91,000 रुपए से अधिक का कर्ज है। सवाल यह भी है कि उपराष्ट्रपति किसानों के पक्ष में सार्वजनिक रूप से क्यों बोले? और एक ही मंच पर कृषि मंत्री से सवाल क्यों किए गए? किसान संबंधी योजनाओं और नीतियों की अकेली जिम्मेदारी कृषि मंत्री पर ही नहीं है। यदि कृषि-भूमि का मुआवजा 2014 के बाद 4 गुना नहीं मिल पा रहा है, यदि एमएसपी की कानूनी गारंटी तय नहीं की गई है, तो ऐसी तमाम समस्याओं के समाधान का दायित्व केंद्रीय कैबिनेट पर है। खासकर प्रधानमंत्री मोदी की जिम्मेदारी है, क्योंकि ऐसे नीतिगत फैसले प्रधानमंत्री के स्तर पर ही सोचे जाते हैं और फिर कैबिनेट में औपचारिक तौर पर पारित किए जाते हैं। यदि एक बार फिर राजधानी दिल्ली या उसके आसपास के क्षेत्रों में किसान लामबंद होकर आंदोलन छेड़ते हैं, तो चौतरफा जन-व्यवस्था अराजक हो जाएगी। जब पिछला किसान आंदोलन समाप्त कराया गया था, तो खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया था। एक समिति गठित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल को सौंपी गई थी। उन्हें तीन कथित काले कृषि कानूनों का प्रारूपकार माना जाता रहा है। उस समिति की बीते दो साल से अधिक अवधि के दौरान करीब 100 बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन समिति की रपट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है। कृषि विशेषज्ञों का एक तबका मानता है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी कोई समाधान नहीं है। सिर्फ खुला बाजार देने से ही किसान के हालात बदल सकते हैं, लेकिन आंदोलित किसानों की सबसे अहम मांग यही है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए। किसान इस बार आर-पार के आंदोलन के मूड में हैं, लेकिन सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक संकेत अभी तक नहीं आया है।

अकाली दल की सरकार के समय पंजाब में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की बेअदबी की कुछ घटनाएं हैं

सुखबीर बादल पर हमले के तार और सियासत

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

सुखबीर बादल के साथ अकाली दल से ताल्लुक रखने वाले कुछ अन्य लोगों को भी विभिन्न प्रकार की सजाएं दी गईं। मसलन स्वर्ण मंदिर में चल रहे लंगर में बर्तन साफ करना, शौचालयों की सफाई करना, सेवादार का काम करना इत्यादि। ये सजाएं इन सभी को पंजाब में अकाली दल की सरकार के समय लिए गए कुछेक फैसलों को लेकर दी गई हैं। अकाली दल के हाथ से 2017 में पंजाब की सत्ता खिसक गई थी। उसके बाद से अकाली दल फूट का शिकार हो गया और सत्ता खिसक जाने के कारणों पर भी चिंतन-मनन होता गया और अब भी हो रहा है।

सुखबीर बादल को उस समय मारने की कोशिश की गई जिस समय वह अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सेवादार की भूमिका निभा रहा था। बादल परिवार देश विरोधी ताकतों के निशाने पर रहा है, यह सब जानते हैं। उसके पिता प्रकाश सिंह बादल लम्बे अरसे तक पंजाब के मुख्यमंत्री रहे हैं। एक समय उन्हें फख्र-ए-कौम के खिताब से निवाजा गया था। लेकिन कुछ दिन पहले जब सुखबीर बादल को सेवादार व कुछ अन्य सजाएं सुनाई गई थीं तो उसी समय उनके स्वर्गीय पिता प्रकाश सिंह से फख्र-ए-कौम का खिताब भी वापस ले लिया गया था। सुखबीर बादल के साथ अकाली दल से ताल्लुक रखने वाले कुछ अन्य लोगों को भी विभिन्न प्रकार की सजाएं दी गईं। मसलन स्वर्ण मंदिर में चल रहे लंगर में बर्तन साफ करना, शौचालयों की सफाई करना, सेवादार का काम करना इत्यादि। ये सजाएं इन सभी को पंजाब में अकाली दल की सरकार के समय लिए गए कुछेक फैसलों को लेकर दी गई हैं। अकाली दल के हाथ से 2017 में पंजाब की सत्ता खिसक गई थी। उसके बाद से अकाली दल फूट का शिकार हो गया और सत्ता खिसक जाने के कारणों पर भी चिंतन-मनन होता गया और अब भी हो रहा है। जाहिर है चिन्तन-मनन पार्टी के भीतर ही नहीं, बाहर भी होता रहा। सब जानते हैं कि पार्टी के बाहर इस प्रकार की माथापच्ची करने वालों को आज की भाषा में थिंक टैंक कहा जाता है। पार्टी के भीतर हार के क्या कारण स्वीकार किए गए, यह तो पार्टी ही बेहतर जानती होगी, लेकिन बाहर के थिंक टैंकों ने यह स्थापित कर दिया कि हार का मुख्य कारण अकाली दल की सरकार के समय पंजाब में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की बेअदबी की कुछ घटनाएं हैं। जाहिर है इसकी जिम्मेदारी प्रकाश सिंह बादल और उनके सुपुत्र सुखबीर बादल के खाते में ही आतीं क्योंकि बड़े बादल साहिब मुख्यमंत्री थे और छोटे बादल साहिब उप मुख्यमंत्री थे। इतना ही नहीं पार्टी के प्रधान की कुर्सी भी पिता-पुत्र के बीच ही रही थी। जब एक बार यह अवधारणा स्थापित हो गई कि बेअदबी के जिम्मेदार प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से 'बादल' ही हैं तो

पंजाब में प्रत्येक राजनीतिक दल चुनाव में इस बात की घोषणा करने लगा कि यदि वह जीत गया तो सबसे पहले बेअदबी के लिए उत्तरदायी इन लोगों को सजा दिलाएगा। उन दिनों में पंजाब के आला पुलिस अफसर कुंवर विजय प्रताप सिंह (मूलतः बिहार या उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं), जो आजकल पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक हैं, का कहना है कि जिन आरोपों के कारण सुखबीर बादल को आज सजा सुनाई गई है, उन सब का जिक्र मैंने अपनी रिपोर्ट में किया था। दरअसल जिन दिनों कांग्रेस के कैप्टन अमरेन्द्र सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने बेअदबी के मामले को लेकर कुंवर विजय प्रताप को जांच का जिम्मा सौंपा था। कुंवर का कहना है कि मेरे बार-बार कहने पर भी कैप्टन ने उस रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं की। कुंवर ने इसको आधार बना कर अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और पंजाब की राजनीति में छलांग लगा दी थी। सारी उम्र पुलिस में खपा देने के कारण पंजाब की हवा को सूंघने व थोड़ा बहुत बदल देने योग्य हो ही गए थे। अपनी इसी महारत के चलते वे आम आदमी पार्टी में चले गए और विधायक भी बन गए। लेकिन अपनी रिपोर्ट को अहमियत न मिलने को लेकर बराबर रोते रहे। उनका मानना है कि कैप्टन की तर्ज पर भगवन्त मान भी उनकी रपट पर कार्रवाई नहीं कर रहे थे। अब जब सुखबीर बादल को सजा सुना दी गई, तो कुंवर विजय प्रताप सिंह का कहना है कि यह सब बातें मेरी रपट में हैं। लेकिन आश्चर्य की बात है कि आला पुलिस अधिकारी होते हुए भी विजय प्रताप सिंह सुखबीर बादल पर हमले के मामले में आश्चर्यजनक तरीके से मौन हैं। सजा मिलने के बाद यह तो स्पष्ट हो गया था कि अब सुखबीर बादल एक सेवादार के रूप में स्वर्ण मंदिर के द्वार पर बैठेंगे। लेकिन केवल दो दिन के लिए ही वे वहां बैठेंगे, यह भी स्पष्ट था। उससे भी ज्यादा यह भी स्पष्ट था कि वहां आने वाले श्रद्धालुओं की तलाशी नहीं ले जाती। शायद इससे आसान अवसर व स्थान सुखबीर बादल की हत्या के लिए नहीं हो सकता था। यह साधारण सी बात, असाधारण काम करने वाली पंजाब पुलिस के वे चंद अधिकारी भी जानते ही होंगे जो इस प्रकार की घटनाओं को भांप कर रणनीति बनाते हैं। ऐसे अवसरों पर रणनीति प्रायः यह होती है कि किसी भी प्रकार से हत्यारे को उसके शिकार के पास आने से रोका जाए। कहा जा रहा है कि हमला करने वाला एक दिन पहले उस स्थान की रैकी करने भी आया था। ऐसा भी नहीं कि हमला करने वाला व्यक्ति कोई अज्ञात व्यक्ति हो। उस पर पहले से ही इस प्रकार के मामलों में अनेक मुकद्दमे चल रहे हैं। वह किसी अन्य प्रान्त से भी नहीं आया था। अमृतसर के पास डेरा बाबा नानक में ही रहता है। आम तौर पर जब किसी अति सुरक्षित व्यक्ति की सुरक्षा की व्यवस्था उस समय करनी हो जब उसे किन्हीं भी कारणों से ओपन स्पेस में बैठना हो तो पुलिस उस इलाके में रहने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखती है, ताकि वह अपने शिकार के नजदीक न फडक़ने पाए। सुखबीर बादल दो दिन इसी प्रकार की स्थिति में आने वाले थे। ऐसे हालात में पंजाब पुलिस के उन चन्द गिने चुने वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरक्षा की ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की? अलबत्ता पुलिस ने बहुत ही शातिराना तरीके से पूरी जांच और घटना को लेकर एक और ही नैरेटिव घडऩे की कोशिश की है। एक पत्रकार ने पूछा, क्या यह नहीं हो सकता हमदर्दी हासिल करने के लिए स्वयं ही हमला करवाया गया हो? पुलिस के अधिकारियों ने तुरन्त इस वांछित सवाल को हाथों हाथ पकड़ लिया। भगवन्त मान के मन में क्या चल रहा है, यह तो वे ही जानते होंगे।

दृष्टि कोण

खेल परिणामों को सुविधाएं भी उत्तम चाहिए

आज के ओलंपिक खिलाड़ी भी शौकिया न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इस लिए छीन लिए गए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमरीकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढिय़ा किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढिय़ा खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडिय़ों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिएं। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढिय़ा या मध्यम स्तर के सामान की होगी और समग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए।

कुछ अलग

होगात्र्रणे कृत्वा घृतम पिवेत

ऋण करके घी पीने की परम्परा हमारे यहां अनादि काल से चली आ रही है। पूर्वजों की इस पावन परम्परा को मैंने हृदय से अंगीकार किया है। यदि मैं ऋण करके घी नहीं पी भी सकूं तो कम से कम ऋण घर खर्च चलाने में बड़ी सहायता करता है। बच्चे भी सामान्य रूप से परेशान नहीं रहते। पिछले दिनों कफ्र्यू लगा तो पड़ोसी से मैंने चार सौ रुपए बतौर उधार देने का प्रस्ताव किया, तो वह थोड़ा संवेदनशील था, फटाफट ले आया। साथ ही यह भी कहा कि और जरूरत हो तो बता दीजिए। मुझे बड़ा पछतावा हुआ कि मैंने आठ सौ ही क्यों नहीं मांग लिए। मेरे पड़ोस में ही दानवीर कर्ण रहता है और मुझे पता ही नहीं चला। मैंने उसके कथन को स्मरण रखा तथा कफ्र्यू जब लंबा खिंचने लगा तो चौथे ही दिन फिर ऋण की मांग रख दी। मैं भी कफ्र्यू में मिली ढील की अवधि में घी ले आया। हालांकि घी का भाव दुकानदार मनमाना ले रहा था, परंतु मुझे परवाह किस बात की, दानवीर कर्ण से उधार मार लाया था, सो महंगा भी खरीद लाया। पत्नी ने देसी घी देखा तो जल-भुन गई, बोली-'मसाले व दालें लानी थी और ले आए यह घी, क्या करूं इस मुए का?' मैंने कहा-'इतनी अधीर क्यों होती हो? ऋण की राशि से घी लाया जाता है, इसलिए हलुवा घोट दो।' पत्नी थोड़ी ज्यादा ही समझदार है, सो बोली-'थोड़ी शर्म तो करिये, कफ्र्यू में हलुवा खाएंगे, अच्छा थोड़े ही लगेगा?' मैंने कहा-'हमारे ऋषि-मुनि तो उधारी में घी पीने की बात कह गए हैं। तुम घी नहीं पिला सको तो कम से कम उसका हलुवा तो खिला दो।' 'लेकिन बच्चों की तथा घर की अन्य बीस जरूरतें हैं, यदि उन्हें निपटाते तो ज्यादा ठीक रहता।' वह हलुवा बनाते डर रही थी। मैंने कहा-'तुम यदि हलुवा नहीं बना सकती तो साफ कहो-मैं बना लेता हूं।' वह बोली-'हलुवा सेंकते मेरे हाथ कांप रहे हैं और भीतर से मन बैठ रहा है। आप ही बना लीजिए।' मैंने कहा-'चलो हटो।' मैंने कड़छी में घी डाल कर चून को सेंकना शुरू किया तो उसकी गंध से दानवीर कर्ण विचलित हो उठा और लपककर मेरी रसोई में प्रवेश कर गया। आते ही बोला-'क्या कर रहे हो शर्मा जी?' मैं कोई कम खिलाड़ी तो था नहीं। बिना किसी संकोच के मैंने कहा-'क्या बताएं, पड़े-पड़े बोर हो गए, सोचा थोड़ा देसी घी का हलुवा ही बना डालें। बच्चों को बाजार से कुछ लाना हो नहीं पा रहा है। सो घर में मीठा बना दिया।' 'परन्तु आप यह तो समझिये कि अभी कफ्र्यू टूटने के आसार नहीं हैं। मैं खुद तंग हो गया हूं। आप तो पहले ही तंग थे, यदि इस तरह हलुवा घोटते रहे तो समस्या खड़ी हो जाएगी।' वे बोले। मैंने कहा-'आप घबराइये नहीं। अब आपको तकलीफ नहीं दूंगा। वर्मा जी आए थे। कह गए हैं किसी चीज अथवा रुपए-पैसों की जरूरत हो तो बता दीजिएगा। सोचता हूं खुद आमंत्रण दे गए हैं तो उन्हें भला निराश क्यों करूं। कल उन्हें तकलीफ दे दूंगा।' वे बोले-'लेकिन फिर देना भी तो आपको ही पड़ेगा। व्यर्थ में क्यों ऋणी हो रहे हैं।' मैंने कहा-'क्या करें सा'ब। इस महंगाई में जब तक काम ही नहीं चलता, मैं ऐसे लोगों से तो उधार लेता नहीं, जो आज उधार दिया और कल मांग लें। मैं तो आप जैसे व्यावहारिक महापुरुषों से ही उधार लेता हूं जिन्हें देर-सबेर जब सुविधा हो तब दे दें। आप तो घर के आदमी हैं, जिन लोगों में तनिक शिष्टता ही नहीं, उनसे उधार मांगना मेरी आचार-संहिता में नहीं है।'

देश दुनीया से

असहमति के बावजूद जगी भविष्य की उम्मीदें

पिछले दिनों दक्षिण कोरिया के बुसान में एक वैश्विक बैठक प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संधि पर सहमति बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। लेकिन यह बैठक बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। कुल 175 देशों के प्रतिनिधि महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे प्लास्टिक उत्पादन और वित्त पर रोक लगाने, पर सहमति बनाने में विफल रहे। यह अंतर-सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की पांचवीं बैठक थी, जो 2022 से प्लास्टिक प्रदूषण पर एक कानूनी संधि तैयार कर रही है। एक हफ्ते तक चली बातचीत में प्लास्टिक उत्पादन और हानिकारक रसायनों पर रोक लगाने की मांग और केवल कचरे के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने वाले देशों के बीच गहरे मतभेद दिखे। परिणामस्वरूप, मसौदा अधिकांश चिंताओं को अनसुलझा छोड़कर समाप्त हुआ। सभी देशों ने वार्ता जारी रखने के लिए अगले साल फिर से मिलने पर सहमति जताई। इस दौरान, सन्धि के लिए मसौदे और देशों की स्थिति पर बेहतर समझ विकसित हुई, लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद अब भी बने हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस के अनुसार, 'हमारी दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण में डूब रही है। हर वर्ष, हम 46 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन करते हैं, जिसमें से अधिकांश को जल्दी ही फेंक दिया जाता है।' उन्होंने चेतावनी दी कि वर्ष 2050 तक महासागरों में प्लास्टिक की मात्रा मछलियों से अधिक हो सकती है। इसके अलावा, हमारी रक्तधारा में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे हैं, जिनके बारे में हमने अभी पूरी तरह से समझना शुरू किया है। हर दिन, कूड़े से भरे लगभग 2,000 ट्रकों के बराबर प्लास्टिक, महासागरों, नदियों और झीलों में फेंक दिया जाता है। यही प्लास्टिक वन्यजीवों एवं मानव स्वास्थ्य के लिए गम्भीर ख़तरा पैदा कर रहा है। माइक्रोप्लास्टिक के कण, भोजन, पानी, मिट्टी और यहां तक कि मानव अंगों व नवजात शिशुओं के प्लासेंटा तक में पाए गए हैं। वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के प्रस्ताव द्वारा अपनाई गई सन्धि के तहत, प्लास्टिक के पूरे जीवन चक्र पर

ध्यान देने के प्रयास किए गए हैं। इनमें एक क़ानूनी रूप से बाध्यकारी संधि के ज़रिए प्लास्टिक के उत्पादन, डिज़ाइन और निपटान के लिए उचित समाधान तलाश किया जाना शामिल है। भारत का मत है कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए एक कानूनी उपकरण होना चाहिए। प्लास्टिक के विकल्पों की उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता के लिए तकनीक हस्तांतरण, वित्तीय सहायता और क्षमता निर्माण पर भी चर्चा करके एक्शन लिया जाना चाहिए। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम जारी किया था। इसके अनुसार प्लास्टिक की वस्तुओं से होने वाले प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए 1 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक सामान पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके अलावा 30 सितंबर, 2021 से प्लास्टिक कैरी बैग की मोटाई को कम-से-कम 75 माइक्रोन किया गया जो पहले 50 माइक्रोन हुआ करती थी। दुनिया भर में दैनिक जीवन में एकल प्रयोग वाले प्लास्टिक, बोतलों व अन्य उत्पादों को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जाता है। उसकी रि-साइकिलिंग, प्लास्टिक के उचित निपटान व सतत् उपयोग के तरीक़े सुझाए जा रहे हैं। लेकिन उत्पादन के आरम्भ में, कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों में, प्लास्टिक के इस्तेमाल की समस्या तेज़ी से उभरकर सामने आई है। केवल भूमि पर ही नहीं, जलीय कृषि उत्पादन में भी हर स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, फिर चाहे वो टैंक, जाल, फ़ीड बैग, लाइनर, पाइपिंग, पॉलीस्टाइनिन बक्से, उत्पाद परिवहन या फिर रासायनिक के भंडारण के लिए हों। एफएओ के अनुमानों के मुताबिक़ अभी तक यह माना जाता रहा है कि महासागरों में पाए जाने वाला लगभग 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा, जलीय कृषि जैसे समुद्री उद्योगों के बजाय भूमि-आधारित स्रोतों से उत्पन्न होता है। अब यह स्पष्ट हो रहा है कि विभिन्न प्रकार के मछली पकड़ने वाले गियर भी समुद्र को नुक़सान पहुंचा सकते हैं। कृषि में इस्तेमाल उत्पादों से होने वाले प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए संग्रह, पुनः उपयोग और रि-साइकिलिंग प्रमुख उपाय हैं। जिन प्लास्टिक वस्तुओं को प्रयोग के बाद एकत्र नहीं किया जा सकता, उन्हें पर्यावरण अनुकूल, बायोडिग्रेडेबल व सुरक्षित विकल्पों से बदला जाना चाहिए। किसी भी समझौते में प्लास्टिक के जीवन चक्र का ध्यान रखना होगा, एकल-इस्तेमाल और कम अवधि की प्लास्टिक की समस्या से निपटना होगा। इसके साथ ही, कचरा प्रबन्धन को मज़बूती देते हुए वैकल्पिक सामग्री को बढ़ावा देना होगा। इसके लिए देश के साथ-साथ वैश्विक कानून होने चाहिए, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण पर समय रहते लगाम लगाई जा सके। पिछले दो वर्ष से प्लास्टिक प्रदूषण पर क़ानूनी रूप से बाध्यकारी उपाय के लिए अन्तर-सरकारी स्तर पर वार्ता जारी थी, जिसमें भूमि व समुद्री पर्यावरणों का भी ध्यान रखा गया, और उसके बाद बुसान में यह बैठक आयोजित की गई।

आप का नजरीया

ग्रामीण बने रहने का हक

विरोध की परिभाषा में हिमाचल का भविष्य कन्नी काटता रहा है या सियासत ने जनता को लाड़-प्यार इतना दिया कि यथार्थ के टापू ही डूब गए। यहां राज्य की गरीबी में जनता अमीर होने की तरकीब जानती है, बड़ी शिद्दत से आजमाए हैं जमाने ने अपने नखरे। हालिया नखरा यह कि रहन-सहन और तहजीब की शहरी औकात के बावजूद, जनता को कर मुक्त ग्रामीण व्यवस्था में बने रहने का अधिकार चाहिए। यह किसी से छुपा नहीं कि हिमाचल में करीब तीस फीसदी आबादी पूर्ण शहरी, जबकि पूरा राज्य शहरी मानसिकता में विकास कर रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में नए शहर उभर रहे हैं, तो सरकार ने हमीरपुर, ऊना व बद्दी को नगर निगमों का दर्जा दे दिया, जबकि नगर पंचायतों और परिषदों के आवरण में कुछ कस्बों की शक्ल बदलने के लिए शहरी विकास मंत्रालय की सरहद बढ़ा दी गई, लेकिन इस प्रक्रिया के बीच खोट चुनने की आदत ने फैसले का विरोध चुन लिया। न नगर निगमों के दायरे पसंद आ रहे और न ही शहरी निकायों का निजाम रास आ रहा। यह दीगर है कि जिसे हम ग्रामीण क्षेत्र मानते हैं, वहां से ग्रामीण आर्थिकी नदारद है। होना तो यह चाहिए कि अगर गांव में अस्सी फीसदी खेती नहीं हो रही, तो इसे शहरी मान लिया जाए। अगर गांव में आवारा पशु बढ़ रहे हैं, खाद्य एवं दुग्ध उत्पाद बाहरी राज्यों से आ रहे हैं, तो उसे कृषि के मजमून से खारिज करके शहरी आर्थिकी से जोड़ दिया जाए। आश्चर्य यह कि बद्दी की लंबाई-चौड़ाई में ग्रामीण परिवेश तो बचा नहीं, लेकिन जनता को ग्रामीण फायदों की जमीं पर आक्रोश के मायने गढऩे हैं। यही सब ऊना के आरपार फैलते व्यापार के बावजूद नगर निगम के इरादों के विरोध से नत्थी है तो कहीं हमीरपुर की शहरी जुबां में ग्रामीण आवाजों को देख कर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितना कठिन है हिमाचल में शहरी कर साम्राज्य खड़ा करना। सुविधाओं और सेवाओं के बदले नागरिक भुगतान की आदत डालना इसलिए भी कठिन है क्योंकि राजनीतिक पद्धति में कई नेताओं की जमीन इतनी खोखली है कि वे राज्य के भविष्य के लिए भी हिम्मत व विजन से नहीं देख पाते। यह करीब पांच दशक पूर्व आए ग्राम एवं नगर योजना कानून के अमल में आने की आवारगी भी है कि जनता अपने विकास की गलियों से व्यवस्था, कानून और चुनौतियों को दरकिनार करना चाहती है। कायदे से पूरे प्रदेश में टीसीपी कानून लागू करके गांव व शहर की खूबियों को सुरक्षित किया जा सकता था। हुआ इसके विपरीत क्योंकि औपचारिकताओं ने किसी भी शहर की योजना को आज तक कोई आकार ही नहीं दिया, बल्कि धर्मशाला व शिमला को मिले स्मार्ट सिटी के रुतबे का भी बुरा हाल हो गया। शहर को बचाने के लिए सर्वप्रथम साथ लगते गांवों के चरित्र, जमीन और चेहरे को बचाना लाजिमी था, वरना आज हर शहर व कस्बे के पांव साथ लगती कृषि योग्य भूमि को न रौंदते। परवाणू से शिमला, जसूर से जोगिंद्रनगर, मंडी से सुंदरनगर, नाहन से पांवटा साहिब, भुंतर से कुल्लू या ऐसी ही अनेक घाटियों ने खुद को शहरीकरण के अतिक्रमण में गुम कर दिया है। नश्तर उस जमीन पर चुभे हैं जो कभी सोना उगाती थी।

बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं करने को लेकर छात्रों का प्रदर्शन, पुलिस ने किया बल प्रयोग

पटना (हिंस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं पीटी परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं करने और एक परीक्षा एक प्रश्नपत्र की मांग को लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। इस दौरान हंगामा होने पर भीड़ पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बड़ी संख्या में जुटी भीड़ जब बीपीएससी कार्यालय की ओर जा रही थी तो उसे खदेड़ने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया। कुछ छात्रों को हिरासत में लेने की बातें भी सामने आई जिसमें, छात्र नेता दिलीप भी शामिल थे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले शिक्षक खान सर ने बड़ी संख्या में छात्रों के साथ सड़क पर उतरकर बीपीएससी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा बीपीएससी के अध्यक्ष को सामने आकर कहना चाहिए कि नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं होगा। उन्होंने बीपीएससी पर भ्रामक जानकारी देने का कथित दावा किया। रहमान सर ने भी सड़क पर उतरकर छात्रों के पक्ष में आवाज बुलंद किया। छात्र नेता दिलीप ने भी बीपीएससी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि हमारी पहले से मांग रही है कि नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं करने और एक परीक्षा एक प्रश्नपत्र की मांग को लागू किया जाए। यह लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य से खेलने वाला फैसला है। उन्होंने कहा कि बीपीएससी के चेयरमैन को इस पर बात कर सफाई देनी चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो साल पहले ही नॉर्मलाइजेशन और परसेंटाइल को लागू नहीं करने की बात कर चुके हैं। देश की किसी सिविल सेवा परीक्षा में यह लागू नहीं है। ऐसे में अब बीपीएससी ने अगर अपना फैसला नहीं बदला और एक सेट में प्रश्नपत्र नहीं दिया तो हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग के लिए आगामी 13 दिसम्बर को राज्य के 925 केंद्रों पर परीक्षा होगी। इसमें 4 लाख 80 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। एक वर्ग द्वारा दावा किया जा रहा है कि इस बार बीपीएससी ने परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू करने की योजना बनाई है। इससे अभ्यर्थियों में खासा गुस्सा देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर उन्होंने रोष जताया है और अब सड़क पर उतरकर विरोध करने की तैयारी की। लेकिन बीपीएससी ने नॉर्मलाइजेशन लागू होने के दावे को सिरे से नकारा है। बीपीएससी ने एक दिन पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि सिविल सेवा परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं करेगा। बावजूद इसके पटना में बीपीएससी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन करने के लिए बड़ी तादाद में अभ्यर्थी जुटकर प्रदर्शन किए। नॉर्मलाइजेशन एक प्रक्रिया है, जिसके जरिए किसी परीक्षा में मिले अंकों को सामान्य किया जाता है। यह प्रक्रिया, तब अपनाई जाती है, जब एक से ज्यादा पालियों में परीक्षा आयोजित की जाती है। नॉर्मलाइजेशन की मदद से, परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर उम्मीदवारों का प्रतिशत स्कोर निकाला जाता है।

पंजाब के किसान आज करेंगे दिल्ली कूच

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा व पंजाब के शंभू बार्डर पर धरना दे रहे किसान शुक्रवार को बाद दोपहर दिल्ली कूच करेंगे। किसान संगठन शंभू बार्डर पर जुटने शुरू हो गए हैं। शंभू बार्डर पर किसानों का धरना 297 दिनों से जारी है। शुक्रवार को गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर पर किसानों ने शंभू बार्डर छोड़कर दिल्ली की तरफ कूच का ऐलान किया है। आज सुबह किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि आमरण अनशन 11वें दिन में प्रवेश कर चुका है। पिछले दस महीने में केंद्र व राज्य के मंत्रियों को ज्ञापन दिए गए लेकिन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की। अब आज बाद दोपहर 101 किसान-मजदूर दिल्ली कूच करेंगे। पंधेर ने कहा कि हरियाणा की कई खाप पंचायतें किसानों के समर्थन में हैं। कई व्यापारिक संगठन भी सहयोग कर रहे हैं। पंधेर ने कहा कि किसानों का अब अगला लक्ष्य दिल्ली कूच है। इसके लिए कोई रास्ता अपनाया जा सकता है। बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं।

एकलिंगजी मंदिर में छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक

जयपुर (हिंस)। उदयपुर के एकलिंगजी मंदिर में कपड़ों और मोबाइल को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। नए नियमों के तहत यहां दर्शन करने आने वाले भक्त छोटे कपड़े (मिनी स्कर्ट, बरमूडा) और नाइट सूट पहन कर दर्शन नहीं कर पाएंगे। मोबाइल ले जाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। उदयपुर से करीब 22 किलोमीटर दूर कैलाशपुरी गांव में एकलिंग जी मंदिर है। इन्हें मेवाड़ के आराध्य के तौर पर पूजा जाता है। मंदिर प्रबंधन की ओर से नए नियमों को लेकर बैनर शुक्रवार को परिसर में लगा दिया गया है। मंदिर कमेटी की ओर से जारी किए गए नए नियमों में मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने का आग्रह किया गया है। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले कई भक्तों की ओर से इस तरह के कपड़े को लेकर शिकायत की गई थी। उनका कहना था कि भगवान के मंदिर में भक्तों का पहनावा ऐसा नहीं होना चाहिए। इसके बाद इस नियम को जोड़ा गया है। कपड़ों के साथ मंदिर में मोबाइल ले जाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। इससे पहले एकलिंग जी मंदिर में यहां आने वाले भक्तों और टूरिस्ट को मोबाइल स्विच ऑफ कर अंदर ले जाने की परमिशन थी। मंदिर में फोटो खींचने पर भी पाबंदी थी। इसके अलावा मंदिर में पालतू जानवर और किसी भी प्रकार के हथियार ले जाना भी प्रतिबंधित है। एकलिंगनाथ भगवान शिव के अवतार हैं। यह मंदिर सफेद संगमरमर से बना है। चारदीवारी में 108 तीर्थ स्थलों के साथ-साथ मुख्य मंदिर भी है। आंतरिक गर्भगृह में काले संगमरमर से बनी भगवान एकलिंगनाथ जी की चार मुख वाली मूर्ति है। मंदिर के बाहर नंदी की एक छोटी चांदी की मूर्ति है। उदयपुर का जगदीश मंदिर, जहां एक साल पहले कपड़ों को लेकर ऐसा ही नियम लागू किया गया था। हालांकि बाद में इसे हटा दिया गया था। एक साल पहले उदयपुर शहर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर में टी शर्ट, शॉर्ट जींस, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट पहनकर जाने पर रोक लगाई गई थी। ऐसा भक्तों को हिंदू संस्कृति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया था। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद देवस्थान विभाग की टीम ने वहां लगे सभी पोस्टर-बैनर हटवाए थे। राजस्थान में सबसे पहले अजमेर के अम्बे माता मंदिर में ड्रेस कोड की शुरुआत की थी। छोटे कपड़े पहनने के कारण कई भक्तों को मंदिर आने में असहज महसूस होता था। ऐसे में कई लोगों ने मंदिर में अनुशासन और सभ्य ड्रेस कोड को शुरू करने की अपील की थी। करीब 100 साल पुराने झारखंड महादेव मंदिर में भी हाफ पैंट, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट, कटी-फटी जीन्स, फ्रॉक पहनकर मंदिर में नहीं आने की हिदायत दे रखी है। भीलवाड़ा के कोटड़ी चारभुजानाथ मंदिर में ड्रेस कोड लागू है। वहां ट्रस्ट की ओर से फैसला लेकर ड्रेस कोड लागू करते हुए पोस्टर-बैनर लगा रखे हैं। कृष्णगंज स्थित जैन धर्म के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री पावापुरी जैन मंदिर में सभ्य कपड़े पहनकर मंदिर में प्रवेश के लिए कह रखा है। मंदिर में एक चेंजिंग रूम भी बना रखा है। अगर कोई गरिमामय कपड़े पहनकर नहीं आता है, तो उसे हम मंदिर के चेंजिंग रूम में दूसरे कपड़े भी देते हैं।

असम के लिए निकला 24 लाख रूपए का प्लाई बोर्ड से भरा ट्रक चोरी

यमुनानगर (हिंस)। 27 दिन पहले यमुनानगर से असम के लिए करीब 24 लाख रूपये का प्लाई बोर्ड और सनमाइका लेकर निकले ट्रक का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। जिसको लेकर उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मंडल जिला पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने पहुंचा। शुक्रवार को यमुनानगर के पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल से उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मंडल मिला। पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में प्लाई बोर्ड व्यापारी मनीष अग्रवाल एवं उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र मित्तल ने संयुक्त रूप से बताया की उन्होंने 27 दिन पहले सनमाइका से भरा एक ट्रक आसाम भेजा था जो आज तक भी वहां नहीं पहुंचा।

शंभू बार्डर से किसानों का जत्था लौटा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा-पंजाब की सीमा पर आंदोलन कर रहे किसानों ने शुक्रवार को दिल्ली कूच का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने भारी बल की मदद से उसे विफल कर दिया। हालांकि पुलिस और किसानों के बीच यहां करीब तीन घंटे तक हंगामा चला। किसानों ने अंबाला में लगे बैरीकेड उखाड़ने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे। इस हंगामे में एक दर्जन से अधिक किसान घायल हो गए। किसानों ने दिल्ली कूच का फैसला फिलहाल टाल दिया है। इस बारे में अब दोबारा नई रणनीति का ऐलान किया जाएगा। किसानों ने पुलिस द्वारा फायरिंग किए जाने का भी दावा किया है। वहीं अंबाला में आज से नौ दिसंबर तक इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर पिछले 297 दिनों से कैंप लगाकर बैठे किसानों ने आज दोपहर एक बजे 101 किसानों का पहला जत्था दिल्ली के लिए रवाना किया गया। इसके बाद किसानों ने बैरिकेड और कंटीले तार उखाड़ दिए। इस पर हरियाणा पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी और आंसू गैस के गोले छोड़े। जिससे अफरा-तफरी मच गई और किसान आसपास के गांवों की तरफ भागने लगे। कई किसान हरियाणा की सीमा में दाखिल हुए, जिन्हें पुलिस ने लाठीचार्ज करके उन्हें पीछे खदेड़ दिया। इस बीच शंभू बार्डर पर कई घंटे तक पुलिस और किसानों के बीच रूक-रूक कर झड़प होती रहीं। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि आज कूच को फिलहाल टाल दिया गया है। देर रात या कल सभी संगठनों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक होगी, जिसमें आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। संभवतः आठ नवंबर को दोबारा 101 किसानों का जत्था दिल्ली कूच करेगा। पंधेर ने कहा कि आज हरियाणा पुलिस की तरफ से किए गए लाठीचार्ज व फायरिंग में कई किसान घायल हुए हैं।

बीएसएफ का 60 वां स्थापना दिवस आज

जोधपुर में मनाया जाएगा, कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास

जोधपुर (हंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का 60वां स्थापना दिवस रविवार को जोधपुर में मनाया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह होंगे। यह पहला मौका है जब जोधपुर स्थित बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय को स्थापना दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम की मेजबानी मिली है। यह बीएसएफ का हीरक जयंती वर्ष भी है। बीएसएफ के प्रशिक्षण केंद्र ग्राउंड पर इसको लेकर शुक्रवार को फुल ड्रेस परेड रिहर्सल हुई। इसमें बीएसएफ के देश भर के फ्रंटियर मुख्यालय के जवानों ने हिस्सा लिया। बीएसएफ की स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने पर प्रशिक्षण केंद्र में आज प्रस्तावित कार्यक्रम की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। मुख्य कार्यक्रम रविवार को होगा। फुल ड्रेस रिहर्सल में आज बीएसएफ से देश भर के अधिकारी जुटे। परेड में पहली बार महिला कैंटीजेंट शामिल हुई। परेड में राजस्थान, गुजरात, साउथ बंगाल, नॉर्थ बंगाल, गोहाटी, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, के कंटेंजेंट शामिल हुए। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी, जोधपुर फ्रंटियर में महानिरीक्षक एमएल गर्ग मौजूद रहे। गृह मंत्री की जगह डमी अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने परेड की सलामी ली। परेड में बीएसएफ की महिला कंटीजेंट, कश्मीर, जम्मू, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, निशान साउथ बंगाल, नॉर्थ बंगाल, गुवाहाटी, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम एंड कछार, आर्टली, कम्युनिकेशन और कैमल कंटीजेंट के जवान शामिल हुए। रविवार को होने वाली मुख्य परेड में स्वदेशी हेलीकॉप्टर ध्रुव व एमआई 17 शामिल होंगे। फुल ड्रेस रिहर्सल में मार्कर कॉल के साथ परेड का विधिवत उद्घाटन हुआ, महिला कंटीजेंट सहित अन्य राज्यों के कंटीजेंट कतारबद्ध परेड के लिए मैदान में आए। परेड में आर्टिलरी कंटीजेंट, अश्व कंटीजेंट, केमल, और केमल माउंट बैंड कंटीजेंट चंदेल परेड मैदान में मौजूद थे। बैंड पर कदमताल, सुनहरी वर्दी में कदम कदम मिला कर परेड की। बता दे कि यह पहला अवसर है कि परेड में महिला शामिल हुई। बीएसएफ की श्वान टीम ने राहत व बचाव कार्य का प्रदर्शन किया। सबसे पहले श्वान ने गुलदस्ता मुंह में दबा कर चीफ गेस्ट को गुलदस्ता दिया, श्वान के आंखों पर पट्टी बांधी और वह रस्सी का पुल पार कर गया, इस टीम ने गजब के करतब दिखा कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में 2020 में जम्मू में पाकिस्तान की गोलीबारी का मुकाबला करने वाले सात जवानों को पुलिस मेडल गैलेंट्री पदक दिया जाएगा। इसमें कांस्टेबल अवनीश कुमार, मोहम्मद बाकीबुल्ला हक, अनिल शर्मा, अवतार सिंह, राजू चौधरी, बी रामानुजेय, अनिल यादव शामिल है।

पाक बॉर्डर के पास दाना चुगने आया संदिग्ध पक्षी पकड़ा

बाड़मेर (हिंस)। जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर मुरटाला ग्राम पंचायत के जीवानियों की ढाणी में शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लगा एक दुर्लभ प्रजाति का पक्षी मिला। डिवाइस पर आईडी 11146 लिखा हुआ है। पैर में सिल्वर कलर की रिंग है। उस पर भी नंबर व अंग्रेजी में लिखा हुआ है। संदिग्ध पक्षी मिलने की सूचना पर वन विभाग की टीम व सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों सहित पुलिस और वन विभाग की टीमें जांच-पड़ताल कर रही हैं। पुलिस के अनुसार सदर थाना इलाके के जीवानियों की ढाणी में महिलाएं व बच्चे चबूतरे पर पक्षियों को दाना डालने के लिए गए थे। चबूतरे के पास अनजान पक्षी देखने पर आसपास के लोगों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलने पर सदर थाना के सीआई सत्यप्रकाश मय पुलिस जाब्ता पहुंचे। वहीं वन विभाग की टीम भी पहुंची। सदर थाने के सीआई सत्यप्रकाश ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना के बाद हम मौके पर पहुंचे हैं। एक पक्षी मिला है जिसके पंजे पर एंटीना लगा हुआ है। उस पर अंग्रेजी में नंबर अंकित हैं। इसे चैक किया तो उसके पंजे के अंदर एल्यूमिनियम जैसे पदार्थ की गोल सिल्वरनुमा रिंग है जिस पर भी नंबर और अंग्रेजी में अबुधाबी लिखा हुआ है। हमने सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। पक्षी को सुरक्षित और जिंदा रखने के लिए उसे वन विभाग को सुपुर्द कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां इस एंटीना की जांच करके आवश्यक कार्रवाई करेंगी। पुलिस ने बताया कि यह पक्षी सामान्यतया यहां नहीं पाया जाता है। दुर्लभ प्रजाति का पक्षी है। गूगल में सर्च करने पर हाबुर पक्षी आ रहा है। इसके बारे में स्पष्ट कह पाना मुश्किल होगा। ये तो विशेषज्ञ ही बता पाएंगे कि यह कौनसी प्रजाति का पक्षी है।

जयपुर में 29 दिसंबर को आयोजित होगा नारी शक्ति वंदन सम्मान समारोह

जयपुर (हिंस)। वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन जयपुर में 29 दिसंबर को नारी शक्ति वंदन सम्मान समारोह 2024 का आयोजन करेगा। वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन राजस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकन्या के निर्देशानुसार एवं सचिव उमा सोनी, उपाध्यक्ष राजरानी, संयोजक संतोष कुमार की अनुशंसा से प्रातः 10 बजे से होटल दी कर्नाट हाउस कैलगरी रोड, मालवीय नगर, जयपुर में *नारी शक्ति वंदन* सम्मान समारोह कार्यक्रम रखा गया है। वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन राजस्थान के द्वारा इस गौरवमयी सम्मान समारोह समाज की महान विभूति विश्वसंरचनाकृति *नारी शक्तियों* का विभिन्न क्षेत्र में विशेष अनुभव, योगदान, समय-समय पर सहयोग जो खास तौर पर समाज हित में महिलाओं, बच्चों के शिक्षा, संरक्षण, अधिकार, रोजगार, चिकित्सा, गायन नृत्य, समाजसेवी आदी के क्षेत्र में आवास, पहचान बनकर हर क्षेत्र में जैसे संस्था, ऑर्गेनाइजेशन, इंस्टीट्यूशन लेखन, गायन, पर्यावरण रचनात्मक, कलात्मक, शिक्षा, चिकित्सा, मीडिया, मनोरंजन, खेल कूद प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। 101 महान नारी शक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। जिसकी नामांकन की अंतिम तिथि 15 दिसंबर रखी गई है। सम्मान समारोह में सभी समाज के मानव जीवन की उत्कृष्टता रखने वाली नारी शक्ति

मथुरा में हाईअलर्ट : श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह इलाके में पल-पल की निगरानी कर रहे हैं ड्रोन कैमरे

चप्पे चप्पे पर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात

मथुरा (हिंस)। अयोध्या में विवादित ढांचे की विध्वंस बरसी को लेकर शुक्रवार मथुरा में भी जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद के आसपास ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही है। हिन्दूवादी संगठनों के पूजा के ऐलान के बाद जिले में धारा 163 लागू कर दी गई है। मंदिर के सभी गेटों से आवाजाही करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की चेकिंग की जा रही है। शहर के हर तिराहे-चौराहे पर पुलिसबल तैनात है, सभी वाहनों की चैकिंग कर उन्हें आगे रवाना किया है। जिले के अलावा गैर जनपद से साढ़े चार सौ पुलिस कर्मी और दो कम्पनी पीएसी बल तैनात किया गया है। विवादित ढांचे की विध्वंस बरसी को लेकर शुक्रवार मथुरा में अलर्ट जारी किया गया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह मस्जिद आसपास इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बीडीएस की टीम और डॉग स्क्वाड ने चेकिंग की। दूसरी तरफ बनी शाही ईदगाह मस्जिद की भी सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर क्षेत्र को दो जोन और 10 सेक्टरों में बांटा गया है। सादे पकड़ों में पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। पुलिस बल के साथ सीआईएसएफ जवान पीएसी भी तैनात है। एसपी सिटी अरविंद कुमार ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद की सुरक्षा को लेकर ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जा रही है। गुरुवार देर शाम मंदिर के आसपास होटलों, ढाबों, धर्मशालाओं में चेकिंग अभियान चलाकर चेतावनी जारी की गई है। मंदिर के आसपास आने जाने वाले सभी गेटों से निगरानी रखी जा रही है। कुछ सामाजिक संगठनों ने 06 दिसंबर को कार्यक्रम करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं दी गई है। अगर कोई संगठन सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने की ओर से सोशल मीडिया वाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर निगरानी रखी जा रही है, असामाजिक तत्वों के खिलाफ जिला प्रशासन ने तीन दिन पूर्व ही अपील जारी कर दी थी। किसी तरह की कोई अफवाह फैलाने, सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी जारी की गई है।

उप्र में दो सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और चित्रकूट जिलों में हुए सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत हो गई है और 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। पहली घटना पीलीभीत जिले की है। जिले में टनकपुर हाइवे पर न्यूरिया कस्बे में बेकाबू होकर कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में दुल्हन के पिता समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। जान गंवाने वालों में उत्तराखंड निवासी शरीफ अहमद (50), बहाबुद्दीन (60), मुन्नी देवी (65), राकिब (10), वाहन चालक अकरम (35) और 65 वर्षीय मंजूद अहमद हैं। घायलों में आठ साल का गुलाम अहमद, रईस, अमजदी, जाफरी बेगम है। इनमें गुलाम और रईस की हालत नाजुक है। न्यूरिया थानाध्यक्ष रूपा बिष्ट ने बताया कि खटीमा कोतवाली के ग्राम जोर निवासी हुसना बी का निकाह पीलीभीत के ग्राम चंदोई निवासी अनवर से बुधवार को हुआ। अनवर ने गुरुवार को वलीमा (दावत) अपने घर पर रखी थी। इसमें शामिल होने के लिए लड़की पक्ष के लोग आए थे। कार में कुल 10 लोग सवार थे। गुरुवार रात को टनकपुर हाई-वे के पास ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गई।

अंबेडकर के विचारों को गांव-गांव तक ले जाने की है जरूरत : चक्रपाणि

भागलपुर (हिंस)। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु के आवासीय कार्यालय श्रीरामपुर अकबरनगर में शुक्रवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का 68वां परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु ने किया। इस पर बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन को समाज के दलित, शोषितों और वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने जातिवाद, छुआछूत और सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाने और समाज में परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। भारत के संविधान का निर्माण किया। संविधान में भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य बनाया। सभी नागरिकों में समान अधिकार का अवसर प्रदान किया। अंबेडकर केवल एक महान राजनेता ही नहीं बल्कि महान विचारक और दार्शनिक भी थे। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। महापरिनिर्वाण दिवस पर हमें न केवल बाबा साहब अंबेडकर को याद करना चाहिए बल्कि जातिवाद, छुआछूत और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ना चाहिए और एक न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करना चाहिए। अंबेडकर के विचारों को गांव-गांव ले जाने के लिए युवाओं को आगे आने की जरूरत है। कार्यक्रम में पंकज कुमार, हर्षवर्धन कुमार, मोनू कुमार, बृजेश कुमार, प्रीतम कुमार, अमित कुमार आदि शामिल थे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद किया गया, श्रद्धासुमन अर्पित

वाराणसी (हिंस)। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर शुक्रवार को उन्हें याद किया गया। कचहरी स्थित अंबेडकर स्मारक पार्क में स्थापित विशाल प्रतिमा और संगोष्ठी में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर व्यक्तित्व और अमूल्य योगदान को बताया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्थानीय महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय के नेतृत्व में कचहरी स्थित अंबेडकर स्मारक पार्क में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसमें प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र *दयालु* भी शामिल हुए। डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद राज्यमंत्री ने उनके योगदान को याद किया। डॉ. मिश्र ने कहा कि भारत जो दुनिया के लिए आदर्श बना हुआ है, उसका लोकतंत्र सभी के लिए आदर्श है। इसके पीछे कहीं न कहीं भारत का संविधान है। जो भारत की ताकत और प्रेरणा है। इसी क्रम में बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में भी डॉ. भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। परिसर स्थित प्रशासन भवन के स्वागती हॉल में बरेका महाप्रबंधक एन. पी. सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात् बाबा साहेब के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस. के. श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक रजनीश गुप्ता, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त मो. नूरुल होदा, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी जनार्दन सिंह, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी अंकुर चंद्रा, उप महाप्रबंधक अनुज कटियार, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, मुख्यालय श्याम बाबू के अलावा कर्मचारी परिषद के संयुक्त सचिव श्रीकांत यादव, परिषद सदस्य भी मौजूद रहे। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के भारतेंदु सभागार में मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में डॉ. अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डीआरएम विनीत कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहेब भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की एक महान विभूति थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से होने वाले सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। बाबा साहेब ने श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन किया एवं अपने जीवन के संघर्षों को अपनी अटूट लगन, ज्ञान एवं परिश्रम के सहारे उन्होंने पीछे छोड़ा और संपूर्ण समाज के लिए एक मिसाल छोड़ गए। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) रोशन लाल यादव, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (ऑपरेशन) अनिल श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पॉल, वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर यशवीर सिंह आदि ने भी बाबा साहब के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पाल ने किया।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन, आरबीआई ने खरीदा 27 टन सोना

मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस साल अक्टूबर में दुनियाभर के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा है। इसके साथ ही देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन पहुंच गया है, जिसमें से 510 टन सोना देश में ही मौजूद है।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 60 टन सोना खरीदा। रिजर्व बैंक ने सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा। इसके बाद तुर्किये का केंद्रीय बैंक 17 टन सोना के साथ भारत के आरबीआई के बाद दूसरे और पोलैंड 8 टन सोना के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत, तुर्किये और पोलैंड के केंद्रीय बैंकों की कुल वैश्विक स्वर्ण खरीदारी में 60 फीसदी हिस्सेदारी रही है। चीन का केंद्रीय बैंक सोना खरीदने के मामले में चौथे और अजरबैजान पांचवें स्थान पर रहा। कजाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने लगातार पांच महीने तक सोना बेचने के बाद अक्टूबर में पहली बार खरीदारी की। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की मासिक रिपोर्ट पर आधारित डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार उभरते देशों के केंद्रीय बैंकों ने सोना की खरीदारी में अपना दबदबा कायम रखा है। आरबीआई ने इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर तक कुल 77 टन सोना खरीदा है। ये पिछले साल की समान अवधि की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान तुर्किये ने अपने स्वर्ण भंडार में 72 टन और पोलैंड ने 62 टन सोने की बढ़ोतरी की है। वहीं, सिंगापुर समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने अक्टूबर में सोना बेचा है। इनमें जर्मनी, मंगोलिया, जॉर्डन, थाईलैंड और फिलीपीन भी शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

कंपनी जगत द्वारा कर्मचारियों को कम वेतन देना आत्मघाती हो सकता है: नागेश्वरन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय कंपनी जगत द्वारा कर्मचारियों को अपेक्षाकृत कम वेतन देना आत्मघाती हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसका उपभोक्ता मांग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विश्लेषकों ने जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात तिमाही में सबसे कम 5.4 फीसदी रहने के पीछे शहरी क्षेत्रों में कम वेतन वृद्धि को एक प्रमुख कारण बताया था और नागेश्वर ने इसी संदर्भ में यह टिप्पणी की। एसोचैम के एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में कारोबारी जगत का मुनाफा 15 साल में सबसे अधिक 4.8 फीसदी रहा था। उन्होंने कहा कि सूचीबद्ध निजी कंपनियों की कर्मचारी लागत घट रही है। कंपनियों ने मुनाफे का इस्तेमाल अपना कर्ज घटाने में किया है। लेकिन अब पूंजी निर्माण के साथ रोजगार वृद्धि के सही तालमेल का समय आ गया है। इसके बिना कंपनियों के उत्पादों के लिए अर्थव्यवस्था में पर्याप्त मांग नहीं आएगी। दूसरे शब्दों में कर्मचारियों को पर्याप्त वेतन भुगतान नहीं होने से अंततः कारोबारी जगत को ही नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। जीडीपी आंकड़ों पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एक विश्लेषक की रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी मांग में तेजी नहीं आने से निजी खपत वृद्धि नरम रही। रिपोर्ट में कहा गया कि खपत मांग में कमी कंपनियों की लाभ वृद्धि में गिरावट के साथ ही शहरी वेतन वृद्धि में मंदी को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में शहरी मांग में नरमी आनी शुरू हुई थी और शहरी क्षेत्रों में वेतन वृद्धि भी कम रही थी। यह रुझान वित्त वर्ष 2025 में भी जारी रह सकता क्योंकि कंपनियों की मुनाफा वृद्धि घटी है। सितंबर तिमाही में कम जीडीपी वृद्धि के बारे में नागेश्वरन ने कहा कि इन आंकड़ों में मौसमी प्रभाव को शामिल नहीं किया गया था और बाद में वृद्धि दर के आंकड़े को संशोधित कर बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 6.5 से 7 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान अभी भी हासिल किया जा सकता है।

आरबीआई ने लगातार 11वीं बार रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा

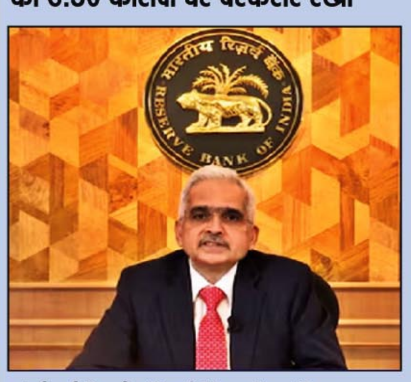

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने लगातार 11वीं बार नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। आपके लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्वामासिक समीक्षा बैठक के बाद फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि 4: 2 के बहुमत से नीतिगत रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा गया है। दास ने कहा कि स्थायी जमा सुविधा एसडीएफ दर 6.25 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा एमएसएफ दर 6.75 फीसदी पर बनी हुई है। शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 7.2 फीसदी था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान 4.5 फीसदी से बढ़ा कर 4.8 फीसदी कर दिया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि एमपीसी ने सर्वसम्मति से इस तटस्थ नीति रुख को बनाए रखने पर अपनी सहमति व्यक्त की है, जो वर्तमान आर्थिक स्थितियों के प्रति सतर्क दृष्टिकोण का संकेत देता है। आरबीआई के छह सदस्यीय एमपीसी में तीन केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंजन हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर को मौद्रिक नीति समिति में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2023 से रेपो रेट 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा है।

महंगाई बढ़ने की आशंका से सहमा अमेरिकी बाजार, एशिया में हो रहा है मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। आशंका जताई जा रही है कि महंगाई के आंकड़े में तेजी आ सकती है। इस आशंका के कारण पिछले सत्र के कारोबार के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,080.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.20 प्रतिशत टूट कर 19,696.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.15 प्रतिशत लुढ़क कर 44,698.55 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,349.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,330.54 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 126.66 अंक यानी 0.62 प्रतिशत उछल कर 20,358.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 432.78 अंक यानी 1.10 प्रतिशत टूट कर 38,962.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.92 प्रतिशत फिसल कर 2,419.34 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,809.33 अंक के स्तर पर और ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,251.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,801.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,451.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 270.93 अंक यानी 1.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,831.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.22 प्रतिशत उछल कर 3,410.36 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 7,318.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

ओपेक देश जारी रखेंगे तेल कटौती मगर भारत पर नहीं होगा असर

नई दिल्ली

तेल उत्पादन और निर्यात करने वाले देशों के संगठन ओपेक प्लस ने कच्चे तेल के उत्पादन में मार्च 2025 तक चल रही कटौती में बनाए रखने का फैसला किया है। इस कटौती के कारण भारत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वैश्विक मांग में गिरावट और रूस से कच्चे तेल पर छूट के कारण भारत को किसी प्रकार की परेशानी की संभावना नहीं है।

ओपेक प्लस देशों ने अपनी बैठक में उत्पादन में स्वैच्छिक कटौती जारी रखने पर सहमति दी है। इसके अनुसार चल रही 22 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती आगामी साल मार्च तक जारी रहेगी। इसके बाद सितंबर 2026 तक यह कटौती धीरे-धीरे घटाकर समाप्त हो जाएगी। अधिकारियों के अनुसार इस कटौती से भारत पर कोई प्रभाव नहीं होगा। उनके अनुसार कटौती जारी रहने के बावजूद 2025 में मांग के मुकाबले 10 लाख बैरल रोजाना ज्यादा उत्पादन होगा।

अगले साल मार्च तक जारी रहेगी तेल की कटौती

तेल की कीमतों में कमी की उम्मीद है। ओपेक प्लस 13 देशों का संगठन है जिसमें सऊदी अरब, ईरान, इराक, वेनुजुएला सहित अन्य देश शामिल हैं। ओपेक प्लस देशों के पास दुनिया भर के तेल उत्पादन का करीब 44 फीसदी और साबित तेल भंडार का 81.5 फीसदी हाथ में है। इस निर्णय से तेल बाजार में हलचल आ सकती है, लेकिन भारत को इसका सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। मांग कम होने और गैर ओपेक स्रोतों से उत्पादन बढ़ने से अपेक्षित कीमतों में कमी हो सकती है। इससे तेल उत्पादकों के लिए चुनौतियां तो हो सकती हैं, लेकिन भारत को उन्हें स्वीकारने की तैयारी करनी चाहिए।

नवंबर के दूसरे पखवाड़े में विदेशी निवेशक बने शुद्ध खरीदार

भारतीय शेयर बाजार में 809 करोड़ रुपए का निवेश किया

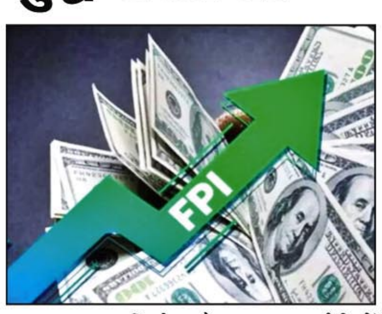

नई दिल्ली

एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर की दूसरी छमाही में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 809 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके मुकाबले, पहली छमाही में इन निवेशकों ने 22,400 करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की थी। इस छमाही में वित्तीय सेवाओं और आईटी शेयरों में निवेश किया गया था, जबकि तेल और गैस तथा ऑटो शेयरों से मुख्य रूप से निर्वाह किया गया था। वित्तीय सेवाओं के शेयरों में 9,597 करोड़ रुपए की खरीद हुई, जबकि आईटी शेयरों में 2,429 करोड़ रुपए की बिक्री हुई। तेल और गैस शेयरों में 6,132 करोड़ रुपए की बिक्री हुई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण, आईटी में निवेश किया गया। बैंकिंग शेयरों में भी वृद्धि हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार एफपीआई ने वित्तीय क्षेत्र में 28.94 प्रतिशत निवेश किया, जबकि आईटी में 9.9 प्रतिशत निवेश किया। इसमें एफएमसीजी, रियल्टी और कैपिटल गुड्स शेयरों में भी बड़ी खरीदारी की गई। इस रिपोर्ट के साथ विदेशी निवेशकों का अपने निवेश धाराओं में बदलाव करने की उम्मीद की जा रही है, जो भारतीय बाजारों के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है।

मारुति सुजुकी जनवरी से वाहनों की कीमत में 4 फीसदी का करेगी इजाफा

नई दिल्ली

देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमआईएसएल) ने जनवरी, 2025 से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 4 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। मारुति सुजुकी घरेलू बाजार में ऑल्टो हैचबैक से लेकर इनविक्टो मल्टी-यूटिलिटी वाहनों तक कई तरह के मॉडल बेचती है।

मारुति सुजुकी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कारों की कीमतों में चार फीसदी तक बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जो मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने बताया कि यह कदम बढ़ती इनपुट लागत और परिचालन खर्च के मद्देनजर उठाया गया है।

मारुति सुजुकी के वाहनों की कीमत में इजफा करने की खबर के आते ही कंपनी के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया है। कंपनी के शेयरों में 105.85 रुपये या करीब एक फीसदी का उछाल देखा जा रहा है, जो 11,270 रुपये प्रति शेयर पर आ गया है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 3.54 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एक दिन पहले हुंडई मोटर ने एक जनवरी से अपने सभी मॉडल रेंज की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया था। इसके अलावा कई अन्य लग्जरी वाहन निर्माता कंपनियों मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी ने भी अगले साल जनवरी से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर में जोरदार तेजी

मुंबई

देश की एक सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिले रही है। यह कंपनी ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) बनाती है और इसके शेयर फिलहाल 314 रुपये के स्तर पर है, जो 340 रुपये तक जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टॉक मार्केट के टेक्निकल एक्सपर्ट ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर के लिए 340 रुपये का टारगेट प्राइस बताया है।

एक टेक्निकल एनालिस्ट की माने तो यह शेयर अगले 3-4 सप्ताह में 340 रुपये के लेवल को टच कर सकता है। इसके लिए टेक्निकल चार्ट और प्राइस एक्शन भी समर्थन दे रहे हैं। इसके अलावा सरकार के डिफेंस सेक्टर में लिए गए फैसले से डिफेंस सेक्टर के शेयरों में भी अच्छी तेजी देखने को मिल रही है।

उन्होंने बताया कि डिफेंस एक्विजिशन कॉउंसिल ने डिफेंस सेक्टर से जुड़े 21772 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं को मंजूरी दी है, जिसके चलते सेक्टर में उत्साह देखा जा रहा है। इस रौनक के संग भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भी उछाल दिखा रहे हैं।

टेक्निकल एक्सपर्ट ने 12 सप्ताह के कंसोलिडेशन के बाद इसे वीकली चार्ट पर ब्रेकआउट कहा है, जिससे उनकी सुझाव से इसमें बड़ी तेजी की संभावना बनी है।

एक इक्विटी डेरिवेटिव टेक्निकल एनालिस्ट ने इस शेयर के लिए भी अच्छी खबर दी है। उन्होंने बताया कि इसके करंट टेक्निकल सेटअप के आधार पर यह 340 रुपये के स्तर तक जा सकता है, साथ ही 293 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ खरीदने की सलाह दी है। इस तेजी के दौरान भारतीय शेयर बाजार में उत्साह और उम्मीद की लहर छाई है। भविष्य में भी इस कंपनी के शेयर में और तेजी की संभावना है और निवेशकों के लिए यह एक अच्छा मौका हो सकता है।

टॉरेंट पावर ने क्यूआईपी से जुटाए 3,500 करोड़, कंपनी की चुकता शेयर पूंजी 480.62 करोड़ से बढ़कर 503.90 करोड़ हुई

नई दिल्ली। बिजली कंपनी टॉरेंट पावर ने पात्र संस्थागत आवंटन (क्यूआईपी) के जरिये 1,503 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 2.32 करोड़ शेयर जारी कर 3,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस निर्गम में शेयरों के आवंटन के हिसाब से कंपनी की चुकता शेयर पूंजी 480.62 करोड़ रुपये से बढ़कर 503.90 करोड़ रुपये हो गई है। इसमें 10 रुपये प्रति शेयर के 48,06,16,784 शेयर शामिल हैं। निदेशक मंडल की कोष जुटाने वाली समिति ने गुरुवार को अपनी बैठक में पात्र संस्थागत खरीदारों को 1,503 रुपये प्रति शेयर (1,493 रुपये प्रति शेयर के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 2,32,86,759 शेयरों के निर्गम एवं आवंटन को मंजूरी दी थी। इस तरह कुल राशि करीब 3500 करोड़ रुपये बैठती है। कंपनी ने पहले कहा था कि उसके बिजली उत्पादन, वितरण कारोबार और चालू परियोजनाओं के उन्नयन एवं विस्तार के लिए कार्यशील पूंजी और पूंजीगत व्यय की निरंतर जरूरत है।

रोहन बोपन्ना ने टीपीएल में प्रतिस्पर्धा करने को लेकर कहा- यह एक रोमांचक प्रारूप, खेलने में आ रहा मजा

मुंबई

दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में मार्की खिलाड़ियों में से एक हैं। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो मिक्स्ड डबल्स और पुरुष डबल्स श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में तीन दिनों के टेनिस एक्शन के बाद, उनकी टीम 154 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन स्थान के लिए पूरी तरह से तैयार है।

बोपन्ना का यह टेनिस प्रीमियर लीग में पहला सीजन है। उन्होंने आयोजकों की ओर से जारी एक बयान में कहा, यह एक रोमांचक प्रारूप है और यह हर किसी को चौकन्ना रखता है क्योंकि हर अंक महत्वपूर्ण है। मुझे टीपीएल खेलने में बहुत मजा आ रहा है।

उन्होंने लंबे समय के बाद मुंबई में खेलने को लेकर कहा, 2007 में मैंने आखिरी बार मुंबई में खेला था और मुझे यहां खेलना बहुत पसंद है। मैंने इसी खास कोर्ट पर दो एटीपी फाइनल खेले हैं।

राजस्थान रेंजर्स में, बोपन्ना अपने पूर्व युगल साथी लिएंडर पेस के साथ फिर से जुड़ गए हैं, जो टीम के मेंटर हैं। पेस के साथ फिर से काम करने के अवसर के बारे में पूछे जाने पर, बोपन्ना ने कहा, वह इतने लंबे समय से मेरे साथी रहे हैं।

इस खेल को खेलते हुए मुझे 30 साल हो गए हैं, मैंने बहुत अनुभव प्राप्त किया है और वह अतिरिक्त अनुभव लेकर आए हैं। इसलिए, यह वास्तव में एक मजेदार टीम है।

इस सीजन में टेनिस प्रीमियर लीग में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी खेल रहे हैं और दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन उन्हें बड़े मंच पर देखकर बहुत खुश हैं।

हैदराबाद स्ट्राइकर्स के 21 वर्षीय करण सिंह ने बोपन्ना का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, मैं करण को देख रहा हूँ, और मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन प्रतिभा है। हमें न केवल निजी प्रायोजकों से बल्कि महासंघ से भी इस तरह की प्रतिभा का समर्थन करने के लिए बहुत प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

युवाओं को बड़े मंच पर खेलते हुए देखना अच्छा लगता है। पिछले पांच सत्रों में लीग की यात्रा और छठे सत्र में इसकी लोकप्रियता में और भी वृद्धि के बारे में बोपन्ना ने कहा, यह हर साल बढ़ रहा है और मुझे लगता है कि यही टीपीएल जैसी लीग की खूबसूरती है।

कुणाल ठाकुर और मृणाल जैन ने सभी खिलाड़ियों तक पहुंचने में शानदार काम किया है। उन्हें एक टीम प्रतियोगिता में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने और साथ ही मौज-मस्ती करने का मौका मिलता है। यह खूबसूरत है।

न्यूज़ ब्रीफ

बीबीएल 14 : चोटों ने बढ़ाई टीमों की चिंता

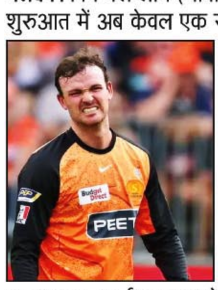

मेलबर्न। बिग बैश लीग (बीबीएल) के नए सत्र की शुरुआत में अब केवल एक सप्ताह का समय बचा है, हालांकि खिलाड़ियों की चोटों ने टीमों की चिंता बढ़ा दी है। तीन टीमों के कप्तान बीबीएल 14 के शुरुआती मैच के लिए फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि कई अन्य चोटों से ऊबरने में लगे हैं। र्थ स्कॉर्चर्स के कप्तान एश्टन टर्नर पर सबसे ज्यादा संकट मंडरा रहा है, क्योंकि सप्ताहांत में क्लब टीम फ्रेमेंटल के लिए बल्लेबाजी करते हुए उन्हें चोट लग गई, जबकि सिडनी सिक्सर्स के मोइसेस हेनरिक्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के विल सदरलैंड पिछले दो शेफील्ड शील्ड खेलों में नहीं खेल पाए हैं और बीबीएल ब्रेक से पहले शुक्रवार के अंतिम राउंड में भी नहीं खेल पाएंगे। टर्नर की अनुपस्थिति पांच बार की चैंपियन के लिए एक बड़ा झटका होगी, क्योंकि पिछले सीजन में इस ऑलराउंडर को टूर्नामेंट की पहली गेंद पर घुटने में चोट लगने के कारण अधिकांश मैच खेलने से चूकना पड़ा था। 31 वर्षीय टर्नर ने स्कॉर्चर्स के अभियान के अंतिम आठ मैचों में भाग नहीं लिया था, क्योंकि नॉकआउट फाइनल में उन्हें अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने एडिलेड स्ट्राइकर्स ने हरा दिया था। पर्थ को बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर कूपर कोनोली और एश्टन एगर की जोड़ी की भी कमी खल सकती है, क्योंकि तीसरे वनडे में मोहम्मद हसनैन की गेंद पर कोनोली का बायां हाथ टूट गया था, जबकि एगर को विक्टोरिया के खिलाफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शील्ड मैच में फील्डिंग करते समय एसी जॉइंट में मोच आ गई थी। स्कॉर्चर्स 15 दिसंबर को ऑप्टस स्टेडियम में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बीबीएल14 सीजन की शुरुआत करेंगे। स्टार्स उस मैच के लिए पूर्व कप्तान ग्लेन मैक्सवेल की फिटनेस पर भी ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि पिछले महीने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 में मैक्सवेल को ग्रेड टू हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था।

फीफा क्लब विश्व कप 2025: मिस्र के क्लब अल अहली के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेंगे मेसी और इंटर मियामी

मियामी। लियोनेल मेसी और इंटर मियामी मिस्र के क्लब अल अहली के खिलाफ क्लब विश्व कप की शुरुआत करेंगे, जिसमें पाल्मेरास और पोर्टो भी अगले साल अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए उस समूह का हिस्सा होंगे। ड्रॉ गुरुवार को मियामी में आयोजित किया गया, जिसमें 32 टीमों को नए विस्तारित आयोजन में अपने पहले तीन प्रतिद्वंद्वियों का पता चला। यह टूर्नामेंट 15 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में 11 अलग-अलग शहरों के 12 स्टेडियमों में आयोजित किया जाएगा। फाइनल न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में मेटलाइफ स्टेडियम में होगा, वही स्टेडियम जो 2026 विश्व कप फाइनल की मेजबानी करेगा। क्लब विश्व कप पावरहाउस क्लबों में मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड, बायर्न म्यूनिख, पेरिस सेंट-जर्मेन, चेल्सी, बोरुसिया डॉर्टमुंड और इंटर मिलान शामिल हैं। इनके अलावा दक्षिण अमेरिका की चार सर्वोच्च रैंक वाली टीमें फ्लेमेंगो, पाल्मेरास, रिवर प्लेट और फ्लूमिनेंस भी टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। मेजबान देश के प्रतिनिधि के रूप में मेसी की टीम इंटर मियामी को पहला मैच खेलने का गौरव प्राप्त है। यह फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में हार्ड रॉक स्टेडियम में होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा,यह समावेशिता के बारे में है, यह दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ 32 क्लबों और दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को एक साथ लाने के बारे में है। अन्य शुरुआती मुकाबलों में पेरिस सेंट-जर्मेन बनाम एटलेटिको मैड्रिड, ग्रुप बी में ब्राजीली क्लब बोटाफोगो बनाम सिएटल, ग्रुप ई में मॉन्टेरी बनाम इंटर मिलान और ग्रुप एच में रियल मैड्रिड का सामना सऊदी क्लब अल-हिलाल से होगा।

जोश इंगलिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से किया गया रिलीज, शेफील्ड शील्ड में खेलेंगे

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से जोश इंगलिस को रिलीज कर दिया गया है और अब वे शेफील्ड शील्ड खेलने के लिए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल हो गए हैं। तीन बार की चैंपियन वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, जो वर्तमान में इस गर्मी की स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है, ने आज से एससीजी में न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले के लिए इंगलिस को अपनी 13 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया था। लेकिन जब ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की कि वे एडिलेड में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में कोई परिवर्तन नहीं करेंगे, तो इंगलिस गुरुवार शाम को सिडनी के लिए रवाना हो गए और फिर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया एकादश में शामिल कर लिया गया। इंगलिस ऑस्ट्रेलिया की बढ़ी हुई टेस्ट टीम के एकमात्र सदस्य हैं, जिसमें अब ब्यू वेबस्टर, सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट शामिल हैं, जिन्हें शील्ड मैचों के इस दौर में खेलने के लिए रिलीज किया गया है। यह दौर सोमवार को समाप्त हो रहा है, जिसका मतलब है कि इंगलिस 14 दिसंबर से ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

एडिलेड डे नाइट टेस्ट

पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया की सधी शुरुआत, 1 विकेट पर 86 रन बनाए

एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) के पहले दिन का खेल खत्म होने पर अपनी पहला पारी में 1 विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। मार्नश लाबुशेन 20 और नाथन मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से 94 रन पीछे है।

भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे। भारत को 180 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरुआत खराब रही और केवल 24 रनों के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा ने 13 रन बनाए। इसके बाद लाबुशेन और मेकस्विनी ने संभलकर खेलना शुरु किया, हालांकि पंत ने मेकस्विनी को एक जीवनदान भी दिया, जिसका उन्होंने फायदा उठाते हुए लाबुशेन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए अब तक 62 रन जोड़ दिये हैं। दिन का खेल खत्म होने पर लाबुशेन 20 और मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं।

भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोरर

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट झटके। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मिचेल स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर पिछले मैच के शतकवीर यशस्वी जायसवाल (00) को एलबीडब्ल्यू कर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी।

राहुल-गिल के बीच 69 रनों की साझेदारी

इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल ने मिलकर भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की और दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। खतरनाक दिख रही इस जोड़ी को स्टार्क ने अपने दूसरे स्पैल की पहली गेंद पर केएल राहुल को आउट कर तोड़ा। राहुल ने 37 रन बनाए। विराट कोहली कुछ खास नहीं कर सके और केवल 7 रन बनाकर स्टार्क का तीसरा शिकार बने। स्कॉट बोलैंड ने इसके बाद 81 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। गिल ने 31 रन बनाए।

87 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने रोहित शर्मा (03) को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। 109 के कुल स्कोर पर पंत पैट कमिंस का शिकार बने। पंत ने 21 रन बनाए। यहां से नीतीश रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन ने टीम का स्कोर 141 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर स्टार्क ने अश्विन को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। अश्विन ने 22 रन बनाए। स्टार्क ने इसके बाद इसी ओवर में हर्षित राणा (00) को बोल्ड कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

नीतीश ने खेली तेज पारी

राणा के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी ने अपने हाथ खोले और स्टार्क और बोलैंड को आड़े हाथों लिया। उन्होंने बोलैंड के एक ओवर में 2 छक्के सहित 21 रन कूट डाले। इसी बीच जसप्रीत बुमराह (00) को कमिंस ने पवेलियन भेज दिया। 180 के कुल स्कोर पर स्टार्क की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में नीतीश ट्रैविस हेड को कैच दे बैठे। नीतीश ने 42 रनों की शानदार पारी खेली, उन्होंने अपनी पारी में 3 छक्के लगाए। वहीं, स्टार्क ने पारी में 6 विकेट लिए, भारत के खिलाफ उन्होंने पहली बार एक पारी में 6 विकेट हासिल किये। स्टार्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने किये तीन बदलाव

बता दें कि भारतीय टीम ने इस मैच के लिए अपनी टीम में तीन बदलाव किये। देवदत्त पडिकल, ध्रुव जुरेल और वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने चोटिल जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया।

सीपीएसएफआई के एथलीटों ने वर्ल्ड एबिलिटीस्पोर्ट यूथ गेम्स 2024 में अब तक जीते 6 पदक

नई दिल्ली

सेरेब्रल पाल्सी स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीपीएसएफआई) के एथलीटों ने थाईलैंड के नाखोन रत्चासिमा में आयोजित 2024 वर्ल्ड एबिलिटीस्पोर्ट यूथ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। सीपीएसएफआई के एथलीटों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक सहित छह पदक जीते हैं। इसमें 18 वर्षीय भविष्य कुमार का शानदार प्रदर्शन भी शामिल है, जिन्होंने 38.3 मीटर की दूरी तक चक्का फेंककर स्वर्ण पदक जीता।

प्रतिनिधिमंडल के टीम मैनेजर पंकज गुप्ता ने कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और कम से कम 15 पदक की उम्मीद है।

सीपीएसएफआई की महासचिव कविता सुरेश ने केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और राज्य खेल विभाग को उनके निरंतर प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया।

2024 के विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल 1 से 7 दिसंबर तक आयोजित किए जा रहे हैं।

विश्व एबिलिटीस्पोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल 23 वर्ष या उससे कम आयु के एथलीटों को द्विवार्षिक बहु-खेल खेल प्रदान करता है और अक्सर उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का पहला अनुभव प्रदान करता है। युवा खेल दुनिया भर में शारीरिक रूप से अक्षम युवा एथलीटों के विकास में मदद करते हैं, पैरालंपिक आंदोलन के विभिन्न मार्गों में उनके विकास को बढ़ावा देते हैं।

दुनिया भर के देशों में वैकल्पिक वार्षिक आधार पर आयोजित होने वाले अद्वितीय खेल वातावरण, युवा एथलीटों को टीम-वर्क और खेल के अनुभव के साथ-साथ पैरालंपिक खेलों के लिए आवश्यक चुनौतियों और अनुशासन का व्यापक ज्ञान प्रदान करते हैं।

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे तीन भारतीय भारोत्तोलक

मनामा

तीन सदस्यीय भारतीय टीम (सभी महिलाएं) बहरीन के मनामा में शुरू होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। आज से 16 दिसंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक्शन में नहीं दिखेंगी क्योंकि वह अपनी चोटों से लंबे समय तक पुनर्वास पर नजर रख रही हैं। उन्होंने आखिरी बार 2024 के पेरिस ओलंपिक में खेला था, जहां वह चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गई थीं।

मीराबाई कीअनुपस्थिति में, उभरती हुई ज्ञानेश्वरी यादव महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगी। वह जूनियर विश्व चैंपियनशिप स्तर पर रजत पदक विजेता भी हैं और उन्होंने पिछले साल 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। वह चैंपियनशिप में अपने वर्ग के ग्रुप ए में एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक हैं।

दूसरी भारतीय कॉमनवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी हैं, जो महिलाओं के 55 किलोग्राम भार वर्ग के ग्रुप बी में खेल रही हैं, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग है।

दूसरी ओर, डिटिमोनी सोनोवाल 64 किलोग्राम के ग्रुप सी में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग भी है। इस बार इस प्रतियोगिता में भारत से कोई पुरुष प्रतियोगी नहीं होगा।

अंडर-19 एशिया कप: श्रीलंका को हराकर भारत फाइनल में, बांग्लादेश से होगी खिताबी भिड़ंत

शारजाह

भारत ने अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने शुक्रवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। भारत की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 67 रनों की शानदार पारी खेली। फाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया।

श्रीलंका ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.2 ओवर में 173 रन बनाए थे। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने तेज और अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 8.2 ओवर में 91 रन जोड़ दिये। इस दौरान वैभव ने केवल 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि 91 के ही कुल स्कोर पर विहास थेवमिका ने म्हात्रे को आउट कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। म्हात्रे ने 28 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए।

इसके बाद वैभव और आंद्रे सिद्धार्थ टीम का स्कोर 14वें ओवर में 132 रन तक पहुंचाया। इसी ओवर में 148 के कुल स्कोर पर प्रवीण मनीषा ने वैभव को बोल्ड कर भारत को दूसरा झटका दिया। वैभव ने 36 गेंदों पर 6 चौके और 5 छक्कों की बदौलत 67 रन बनाए।

148 के कुल स्कोर पर सिद्धार्थ 22 रन बनाकर विरन चमुदीथा का शिकार बने।

यहां से कप्तान मोहम्मद अम्मान और केपी कार्तिकेय ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 7 विकेट से जीत दिला दी। अम्मान 25 और कार्तिकेय 11 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 21.4 ओवर में 175 रन बनाकर जीत हासिल की।

पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई टीम 46.2 ओवर में 173 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की तरफ से लकविन अबेसिंघे ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 69 रन बनाए। अबेसिंघे के अलावा शरुजन शनमुगनाथन ने 42 रन बनाए।

भारत की ओर से चेतन शर्मा ने 3, किरन कोरमाले और आयुष म्हात्रे ने 2-2, हार्दिक राज और युद्धजीत गुहा ने 1-1 विकेट लिया।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी चेन्नइयन एफसी

चेन्नई

चेन्नइयन एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी शनिवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी, तो दोनों टीमों का लक्ष्य जीत से अपने अभियान को मजबूती देना होगा।

ईस्ट बंगाल एफसी आठ मैचों में एक जीत, एक ड्रा और छह हार से चार अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर बैठी है।

हालांकि ईस्ट बंगाल ने अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 1-0 हराकर इस सीजन में जीत का स्वाद चखा था। वहीं, चेन्नइयन एफसी 10 मैचों में तीन जीत, तीन ड्रा और चार हार से 12 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। वो लगातार दो हार का सिलसिला खत्म करके जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी।

चेन्नइयन ने कोलकाता की क्लबों के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच 0-1 के समान स्कोरलाइन से गंवाए हैं, जब वे 26 सितंबर, 2024 को मोहम्मडन एससी से और फिर 30 नवंबर, 2024 को मोहन बागान सुपर जायंट से हारे थे।

हालांकि, चेन्नइयन इस सीजन में 26.3% खेल समय तक बढ़त पर रही है, जो ईस्ट बंगाल एफसी के 10.5% से काफी अधिक है।

चेन्नइयन अपने पिछले दो मैचों में गोलरहित रहे हैं, जो दिसंबर 2023-फरवरी 2024 के बीच उनके पिछले खराब प्रदर्शन को दोहराता है, जब वे लगातार तीन मुकाबलों में गोल नहीं कर पाए थे।

ईस्ट बंगाल एफसी ने इस सीजन में पहली बार लगातार दो क्लीन शीट हासिल की है, जो उनकी डिफेंसिव मजबूती दिखाता है।

अनवर अली ने इस सीजन में तीन मैचों में 8+ क्लीयरेंस दर्ज किए हैं, जो स्टीफन एजे और एलेक्स साजी के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक है। चेन्नइयन एफसी के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम हालिया असफलताओं के बावजूद, अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

उन्होंने कहा, हम अभी भी अच्छी स्थिति में हैं। इसलिए मैं आगे बढ़ने को लेकर उत्साहित हूं, क्योंकि आगामी मुकाबले घर पर हैं और हम पूरे अंक बटोर करके खुद को प्लेऑफ स्थानों पर वापस लाने की कोशिश कर सकते हैं। यही हमारी कोशिश रहेगी।

ईस्ट बंगाल एफसी के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने कहा कि वह मरीना माचान्स की सामूहिक पर ध्यान केंद्रित करना चाहेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि घर या बाहर खेलने से परिणाम पर कोई प्रभाव पड़ेगा। मैं टीम के तौर चेन्नइयन एफसी पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा। वो लीग के शीर्ष-3 कोचों में से एक कोच के साथ बहुत बढ़िया टीम हैं।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच आठ मुकाबले हुए हैं, जिसमें से चेन्नइयन एफसी ने दो बार जीत हासिल की है जबकि ईस्ट बंगाल एफसी एक मैच जीती है। पांच मैच ड्रा रहे हैं।

जानकारी

कमजोर हड्डियों को स्ट्रॉंग बनाएंगे ये आहार

सर्दियों में बहुत से लोगों को जोड़ों में दर्द की समस्या रहती है। जब हड्डियां कमजोर हो जाती है, जिस वजह से बार-बार उनमें दर्द रहने लगता है। अगर आप भी सर्दियों में इस तरह की परेशानी से गुजर रहे है तो अपने खान-पान में थोड़ा बदलाव लाए। इससे काफी फायदा होगा। अपने आहार में ऐसी चीजों को शामिल करें, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखेंगी। हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बताएंगे, जिनको सर्दियों में खाना काफी फायदेमंद हो सकता है।

- पनीर विटामिन D होता है, जिसको खाने से हड्डियां मजबूत रहती है। ध्यान रखें कि पनीर को ज्यादा तेल में न तले। इसके अलावा पनीर को ग्रिल्ड करके भी खाया जा सकता है।
- दूध में विटामिन D होता है, जिसको ड्राई फरूट्स में मिलाकर पीएं। इससे जोड़ों से जुड़ी कई प्रॉबल्म दूर होगी।

- संतरे के रस में भी विटामिन D मौजूद होता है। लेकिन ध्यान ऱखे कि जूस में ज्यादा शुगर की मात्रा न हो।
- फिश में भी विटामिन मौजूद होते हैं। इसको खाने हड्डियों की समस्या दूर रहती है।
- अंडा भी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। इसलिए रोजाना एक अंडे का सेवन जरूर करें। इसको आप जैसे चाहें उबाल कर या फिर ऑमलेट बनाकर खाएं।
- मशरूम में भी विटामिन्स मौजूद होते है। इसको बढ़ती उम्र के लोगों के लिए मशरूम काफी फायदेमंद है। इसको आप सब्जी या अन्य किसी तरह खा सकते है।
- कॉड लिवर तेल में विटामिन D मौजूद होता है। इसका रोजपोाना एक चम्मच खाएं और आपको इसके कैप्सूल भी मिल जाएगे, जिन्हें आप खा सकते है।
- दही भी हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। दही में शक्कर डालने के बजाए, उसमें जीरा या नमक मिलाकर खाएं।

स्मार्ट तरीके से करें कॉर्नर डिजाइन

अपने घर को सजाना काफी मजे का काम है। हम अपनी मर्जी से घर में फर्नीचर, वॉल डैकोरेशन और रंगों का चुनाव खुद करते है तो मन को अलग ही सुकून मिलता है। साफ-सथुरा और स्मार्ट तरीके से सजा घर हमारी दिन भर की थकान को एकदम से दूर कर देता है। अगर घर छोटा हो तो उसकी डैकोरेशन करना काफी मुश्किल होता है। अक्सर हम देखते है कि घर के सभी कमरें खूबसूरत तरीके से सजे तो होते है लेकिन उनका कॉर्नर काफी खाली-खाली सा लगता है। आज हम आपको घर के कॉर्नर को स्मार्ट तरीके सजाने के कुछ टिप्स बताएंगे, जिससे घर की बाकी जगह पर स्पेस भी रहेगी और कॉर्नर का इस्तेमाल भी हो जाएगा।

कॉर्नर लाइटनिंग

वहीं आप कॉर्नर लाइनिंग से भी कोने की जगह को डैकोरेट कर सकते है। इससे रूम को भी काफी खूबसूरत लुक मिलेगा।

कॉर्नर प्लांट

अगर आप कॉर्नर पर शेल्फ नहीं बनाना चाहते है तो वहां कोई खूबसूरत गमले में लगा प्लांट या लॉवर प्लांट लगाएं।

कॉर्नर शेल्फ

घर के कॉर्नर पर छोटी-छोटी शेल्फ बनाएं और उसपर कोई भी शो पीस सजाएं।

स्टडी टेबल

आप चाहें तो कॉर्नर पर बच्चों या खुद के लिए छोटा सा स्टडी टेबल फिक्स करवा सकते है।

बुक शेल्फ

किताबों को बिखेर कर ऱखने के बजाए इन्हें कॉर्नर पर शेल्फ बना कर सजाएं। इससे आपको बुक्स ढूढ़ने में भी आसानी होगी।

टिप्स

बाथरूम से आ रही बदबू को इन तरीकों से करें दूर

बाथरूम से आने वाली बदबू के कारण मूड खराब होने के साथ-साथ घर आए मेहमानों के सामने भी आपको शर्मिंदा होना पड़ता है। बाथरूम की दुर्गंध दूर करने के लिए आप मंहगे से मंहगे प्रॉडक्स का इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से भी इसकी बदबू नहीं जाती। ऐसे में कुछ घरेलू और असरदार तरीकों से आप इस बदबू को दूर कर सकते है। आइए जानते है किचन में मौजूद इन चीजों से किस तरह आप बाथरूम की बदबू से छुटकारा पा सकते है।

नींबू का रस

नींबू के रस को बीथरूम प्लोर पर डालकर कुछ देर के लिए बंद कर दें। थोड़ी देर बाद पानी से बाथरूम को साप कर दें। आपका बाथरूम साफ और बदबू फ्री हो जाएगा।

सिरका

पानी में ज्यादा मात्रा में सिरका मिला कर बाथरूम पर फैला दें और कुच देर बाथरूम को बंद करने के बाद पानी से सफाई कर लें। आप इसे सप्ताह में दो बार इस्तेमाल कर सकती है।

पौधे लगाना

बाथरूम में खूशबूदार पौधे लगा कर भी आप बाथरूम की बदबू को दूर कर सकते है। इसके अलावा जब आप बातरूम इस्तेमाल न कर रहें हो तो उसे बंद कर दें। इससे बदबू आने की समस्या दूर हो जाएगी।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडे को पानी में मिलाकर रोजाना पोछा लगाने से बदबू की समस्या दूर हो जाएगी। आप चाहें तो बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर बाथरूम को धो भी सकते है।

मोमबत्ती का इस्तेमाल

रात के समय बाथरूम में खुशबूदार कैंडल लगाने से सुबह तक बदबू गायब हो जाएगी। इसके अलावा बाथरूम को हर समय गीला रखने के कारण भी बदबू आने लगती है। इसलिए इसे ज्यादा समय तक गीला न रखें।

घूमने के साथ-साथ इस जगह पर लें रोमांच और ट्रैकिंग का मजा

घूमने के साथ-साथ इस जगहें पर लें रोमांच और ट्रैकिंग का मजावैसे तो भारत में घूमने फिरने के लिए बहुत सी खूबसूरत जगहें है लेकिन आज हम आपको बेहद रोमांचित जगहें के बारे में बताने जा रहें है। इस रोमांच से भरी जगहें पर आप घूमने के साथ ट्रैकिंग का भी मजा ले सकते है। कई साल पुरानी इस गुफा को देखने को ट्रैकिंग का मजा लेने टूरिस्ट दूर-दूर से आते है। कर्नाटक, कुमता जिले के याना गांव में स्थित इस गुफा की संरचना कारस्ट पत्थरों से की गई है। इसी कारण इस गुफा का रंग काला है। सिंतबर से फरवरी के महीनों में घूमने के लिए यह जगहें बेस्ट है।

ट्रैंकिग

यहां पर मौजूद मधुगिरि और देवरासनदुर्ग के पर्वत पर आप ट्रैंकिग का मजा ले सकते है। इस पर्वत के उपर से आप पूरे जंगल का खूबसूरत मजारा देख सकते है। ट्रैंकिग के लिए मधुगिरि पर्वत के किले के दरवाजे में से निकलने के बाद सीढ़ियों पर से ट्रैंकिग करना और भी खतरनाक हो जाता है।

घूमने की जगहें

इसके अलावा आप यहां पर मौजूद याना रॉक गुफाएं भी देख सकते है। यहां पर 390 फीट और 300 फीट ऊंचा भौरवेश्वर शिखर

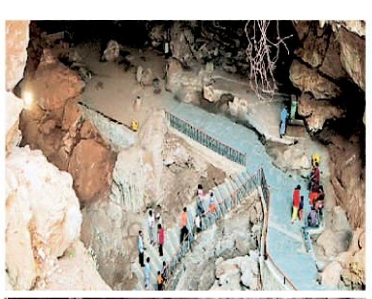

भी देखने लायक है। गुफा में जाने के लिए आपको करीब 260 सीढ़िया चढ़नी पड़ती है।

इसके बाद अंदर घूमने के लिए भी आपको करीब 900 सीढ़िया चढ़नी पड़ती है। इसके अलावा इसके रास्ते में आपको पानी की भी कोई कमी नहीं दिखेगी।

विभूति झरना

याना की गुफाए देखने के बाद आप यहां पर मौजूद खूबसूरत विभूति झरना देख सकते है। पश्चिमी घाट से बहने वाले इस झरने को माग्बी झरने के नाम से भी जाना जाता है। इस झरने के आस-पास आप वांस और जंगली पेड़ पौधे देख सकते है।

रेसिपी

इडली स्टिर फ्राई

सामग्री

सूजी - 270 ग्राम ,दही- 370 ग्राम,पानी -50 मिलीलीटर ,नमक -1 चम्मच, फ्रूट सॉल्ट -छोटा डेढ़ चम्मच, पानी -1 बड़ा चम्मच ,तेल -ब्रश करने के लिए, तेल -फ्राई करने के लिए, तेल -1 बड़ा चम्मच ,सूखी लाल मिर्च -3,अदरक-लहसुन का पेस्ट -1 बड़ा चम्मच, हरा प्याज -65 ग्राम ,शिमला मिर्च -105 ग्राम, चिली सॉस -2 चम्मच, सोया सॉस -1 बड़ा चम्मच, नमक -1 छोटा चम्मच , तिल के बीज -1 बड़ा चम्मच

विधि

एक बाउल में 270 ग्राम सूजी, 370 ग्राम दही, 50 मिलीलीटर पानी, 1 चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इस मिश्रण को 10 मिनट के लिए रख दें। फिर इसमें छोटा डेढ़ चम्मच फरूट सॉल्ट, 1 बड़ा चम्मच पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इडली बनाने वाले बर्तन में ब्रश की सहायता से तेल लगाएं। इसके बाद इसमें चम्मच की सहायता से इडली के मिश्रण को डालें। इसे 10-12 मिनट तक स्टीम करें या जब तक इडली अच्छे से पक नहीं जाती। थोड़ा ठंडा होने पर इडली को एक बाउल में डाल दें। इसके बाद इडली की लंबी-लंबी स्लाइस काट लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर पर्याप्त तेल गर्म करें और इडली को इसमें सुनहरा भूरा और कुरकुरा होने तक फ्राई करें। फिर इसे अब्सॉर्बेंट पेपर पर निकाल कर एक तरफ रख दें। एक अन्य कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच तेल, 3 सूखी लाल मिर्च, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 65 ग्राम हरा प्याज डालकर 2-3 मिनट के लिए भूनें। अब 105 ग्राम शिमला मिर्च डालकर 3-5 मिनट के लिए भून लें। सॉस, 1 छोटा चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच तिल के बीज डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। आपकी इडली स्टिर फ्राई तैयार है।

पंजीरी

सामग्री

घी -5 बड़े चम्मच (विभाजित), एडिबल गम क्रिस्टल-120 ग्राम, पफ्ड लोट्स सीडस-60 ग्राम, काजू - 150 ग्राम बादाम- 250 ग्राम, पिस्ता-90 ग्राम, तरबूज के सूखे बीज -150 ग्राम किशमिश-85 ग्राम, घी- 200 ग्राम सूजी -500 ग्राम, कद्दूकस किया नारियल-100 ग्राम, इलायची पाऊडर-1 चम्मच, चीनी पाऊडर-500 ग्राम

विधि

एक कड़ाही में 2 बड़े चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। फिर इसमें 120 ग्राम एडिबल गम क्रिस्टल डालकर तब तक भूनें, जब तक कि यह आकार में डबल नहीं हो जाते। इसके बाद एक अन्य कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 60 ग्राम पफ्ड लोट्स सीडस डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। फिर एक कड़ाही ले और उसमें 1 बड़ा चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 150 ग्राम काजू, 250 ग्राम बादाम, 90 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखे तरबूज के सूखे बीज डालकर 3-5 मिनट के लिए भून लें। एक अन्य कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 85 ग्राम किशमिश डालकर सुनहरा भूरा होने तक भूनें। एक कड़ाही में 200 ग्राम घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। फिर इसमें 500 ग्राम सूजी डालें और इसे तब तक पकाएं, जब तक कि इसमें से सुगंध न आने लगे। अब इसमें 100 ग्राम कद्दूकस किया हुआ नारियल, 1 चम्मच इलायची पाऊडर डालें और सुनहरा भूरा होने तक मिश्रण को लगातार हिलाते रहें। इसके बाद चॉपर में सारे ड्राई फरूट्स और फ्राई किए हुए नट्स डालकर इन्हें चॉप करके मिश्रण तैयार कर लें। एक बाउल में सूजी का मिश्रण, कमल के बीज का मिश्रण, ड्राई फरूट्स का मिश्रण और 500 ग्राम चीनी पाऊडर डालकर अच्छे से मिलाएं। इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)